सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

# न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

वर्ष 1, अंक 133, नई दिल्ली, रविवार, 12 मार्च 2023, पेज 8

03 दिल्ली के नए मंत्रियों ने किया 24 घंटे बिजली-पानी देने का वादा
05 Mahindra जल्द लेकर आने वाली है Scorpio Classic S5
08 प्रधानमंत्री की वेबसाइट पर 'मां' सेक्शन लॉन्च हुआ

**आज का सुविचार**

सफलता की लड़ाई अकेली ही लड़नी पड़ती है, सैलाब उमड़ता है जीत जाने के बाद।

## इनसाइड

### तीर्थ स्थलों के पैदल मार्गों को प्रदूषण मुक्त बनाने की कवायद, जल्द बनेगा एक्शन प्लान

**देहरादून।** एनजीटी के आदेश पर सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। यात्रा शुरू होने से पहले एसओपी जारी होगी। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में पर्यटन स्थलों के कूड़ा डंपिंग जोन होंगे। साथ ही घोड़े-खच्चरों की वजह से होने वाली गंदगी से निपटने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाएगी। प्रदेश सरकार केदारनाथ, यमुनोत्री समेत चार प्रमुख तीर्थ स्थलों के पैदल मार्गों को प्रदूषणमुक्त बनाने की कवायद में जुट गई है। इसके लिए सरकार जल्द कार्ययोजना तैयार करेगी। 22 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। इससे पहले प्रदेश सरकार इन प्रमुख तीर्थ स्थलों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए एक मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगी। पैदल मार्गों में सफाई की दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाने के लिए एक विस्तृत अध्ययन भी कराया जाएगा। जहां पर कूड़ा व कचरे का निस्तारण होता है, वे सभी स्थल अब सीसीटीवी की निगरानी में होंगे। आने वाले दिनों में सरकार यह सारी व्यवस्था बनाने जा रही है। सरकार को यह कदम राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर उठाने पड़े हैं।

# चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक को देंगे हजारों करोड़ की सौगात, 10-लेन वाले हाईवे का करेंगे उद्घाटन

*नितिन गडकरी के एक ट्वीट को टैग किया, जिसमें कहा गया है कि बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के निर्माण में, जिसमें एनएच -275 का एक हिस्सा शामिल है, में चार रेल ओवरब्रिज, नौ महत्वपूर्ण पुल, 40 छोटे पुल और 89 अंडरपास और ओवरपास का विकास शामिल है।*

संजय बाटला

पीएमओ की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मोदी दोपहर में मांड्या में प्रमुख सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब सवा तीन बजे वह हुबली-धारवाड़ में विभिन्न पहलों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

**नई दिल्ली।** कर्नाटक में कुछ माह के बाद ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राज्य के अपने छठे दौरे पर रवाना हो रहे हैं, ऐसे में 10-लेन वाले बेंगलुरु-मैसूर राजमार्ग के उद्घाटन के लिए मंच तैयार है। प्रधानमंत्री मांड्या और हुबली-धारवाड में 16 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे।

**सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे पीएम मोदी**

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मोदी दोपहर में मांड्या में प्रमुख सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब सवा तीन बजे वह हुबली-धारवाड़ में विभिन्न पहलों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। बयान में आगे कहा गया है कि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास की तेज गति देशभर में विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का प्रमाण है।

**राष्ट्र को समर्पित करेंगे बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे**

बयान में कहा गया है कि इस प्रयास में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग-275 के बेंगलुरु-निडाघट्टा-मैसूर खंड को छह लेन बनाना शामिल है। 118 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को करीब 8,480 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इससे बेंगलुरु और मैसूर के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर सिर्फ 75 मिनट रह जाएगा।

**बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के तहत नौ महत्वपूर्ण पुल, 89 अंडरपास**

इसमें कहा गया है, यह क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। इससे पहले दिन में मोदी ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के एक ट्वीट को टैग किया, जिसमें कहा गया है कि बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के निर्माण में, जिसमें एनएच -275 का एक हिस्सा शामिल है, में चार रेल ओवरब्रिज, नौ महत्वपूर्ण पुल, 40 छोटे पुल और 89 अंडरपास और ओवरपास का विकास शामिल है।

**4,130 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी सड़क परियोजना**

प्रधानमंत्री मोदी मैसूर-खुशहालनगर 4-लेन राजमार्ग की आधारशिला भी रखेंगे। 92 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना को करीब 4,130 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। यह परियोजना बेंगलुरु के साथ कुशलनगर की कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और यात्रा के समय को लगभग 5 से केवल ढाई घंटे तक आधा करने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल होसपेट रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे, जिसे हम्पी स्मारकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

# डीटीसी बस में अचानक लगी आग, कुछ ही मिनटों में धूं-धूं कर जली; कोई हताहत नहीं

एनटीवी संवाददाता

हादसे की वजह से ट्रैफिक जाम भी लगा। जिसको सुचारू रूप से चलाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। बताया गया कि चलती बस में धुआं निकलता देखकर चालक ने बस को बीच रास्ते में ही रोक दिया था।

**नई दिल्ली।** केशवपुरम स्थित ब्रिटानिया चौक पर शनिवार शाम अचानक एक चलती डीटीसी बस में आग लग गई। गनीमत यह रही कि हादसे की चपेट में कोई नहीं आया। मगर कुछ मिनट में बस पूरी तरह से जल गई। पुलिस मामला दर्ज कर शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जाहिर कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, नॉर्थ वेस्ट जिला के कंट्रोल रूम को चार बजकर 41 मिनट पर ब्रिटानिया चौक पर डीटीसी की लो फ्लोर बस में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। रूट को बंद करवाया और बस चालक और कंडक्टर समेत तीन लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा। दमकल की तीन गाडियों ने मौके पर पहुंचकर आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू कर लिया।

हादसे की वजह से ट्रैफिक जाम भी लगा। जिसको सुचारू रूप से चलाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। बताया गया कि चलती बस में धुआं निकलता देखकर चालक ने बस को बीच रास्ते में ही रोक दिया था। कंडक्टर समेत अन्य दो के साथ सुरक्षित जगह पर आकर खड़ा हो गया था। उसी वक्त पुलिस को हादसे की जानकारी दी गई थी। देखते ही देखते बस में पहले धुआं निकला और फिर आग लग गई थी।

# केंद्रीय मंत्री 97 किमी लंबे रामजानकी मार्ग का करेंगे शिलान्यास, 13 को गोरखपुर आएंगे गडकरी

एनटीवी संवाददाता

**गोरखपुर।** एनएचएआई परियोजना प्रबंधक भवेश अग्रवाल ने कहा कि एनएचएआई की दो तथा एनएच की तीन परियोजना का केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शिलान्यास करेंगे। जबकि एनएच की एक परियोजना मोहद्दीपुर-जंगलकौड़िया फोरलेन का लोकार्पण करेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी 13 मार्च को गोरक्ष नगरी को बिहार की सरहद से जोड़ने वाले 97 किलोमीटर लंबे रामजानकी मार्ग का शिलान्यास करेंगे। साथ ही छह अन्य परियोजना का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इनमें दो परियोजनाएं एनएचएआई की जबकि चार एनएच की हैं। इन सड़कों के निर्माण से चारों तरफ बेहतर यातायात की सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री जिन सड़कों का शिलान्यास करेंगे वह बहुत ही महत्वपूर्ण सड़कें हैं। सिकरीगंज से लेकर बड़हलगंज तक 40 किलोमीटर लंबे टू लेन पेब्ड शोल्डर 10 मीटर चौड़ी सड़क का शिलान्यास करेंगे। इसके निर्माण पर 403 करोड़ की लागत आएगी। वहीं, बड़हलगंज से बिहार बार्डर तक की 57 किमी सड़क का निर्माण दूसरी संस्था करा रही है।

इसके निर्माण पर 532 करोड़ की लागत आएगी। इसी प्रकार गोरखपुर-सौनौली मार्ग को फोरलेन बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर 2562 करोड़ की लागत आएगी। इस फोरलेन पर दो बाईपास का भी निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही कैंपियरगंज में ओवरब्रिज का निर्माण होगा।

इसी प्रकार मानीराम-कोनी (जगदीशपुर) 26.8 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन के निर्माण पर 1,974 करोड़ की लागत आएगी। इसके लिए 154 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके बनने से गोरखपुर के पास रिंगरोड तैयार हो जाएगा। इसके पहले कालेसर-जंगल कौड़िया फोरलेन का निर्माण कराया गया है।

कुछ इसी प्रकार महराजगंज-ठूठीबारी-निचलौल होते नेपाल बार्डर तक 40 किलोमीटर लंबे टू लेन पेब्ड शोल्डर के निर्माण पर 809.25 करोड़ की लागत आएगी। केंद्रीय मंत्री इसके अलावा मोहद्दीपुर-जंगलकौड़िया फोरलेन का लोकार्पण करेंगे।

एनएचएआई परियोजना प्रबंधक भवेश अग्रवाल ने कहा कि एनएचएआई की दो तथा एनएच की तीन परियोजना का केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शिलान्यास करेंगे। जबकि एनएच की एक परियोजना मोहद्दीपुर-जंगलकौड़िया फोरलेन का लोकार्पण करेंगे।

*परिवहन विशेष* (हिन्दी दैनिक)

इस समाचार पत्र से *जुड़ कर अपने विचार* प्रतिदिन जनता तक पहुंचाने के/की इच्छुक संस्थाए, ट्रस्ट, समाज सेवक/सेविका, राजनीतिक जन, पत्रकार, फोटो ग्राफर, वीडियो ग्राफर, जन प्रतिनिधि, रिपोर्टर, विशेषज्ञ, सरकारी/प्रशासनिक पदों से सेवा निवृत अधिकारीगण, कर्मचारी एवम् अन्य सभी जो जनहित में सच और निडरता के साथ सच्चे समाचार पहुंचाना चाहते हैं और जनता तक पहुंचाने में मददगार बनने के इच्छुक है, हमसे संपर्क करें, आप सभी का *परिवहन विशेष* हिन्दी दैनिक में स्वागत है।

*परिवहन विशेष समाचार पत्र* से अपने आप को लाईफ टाईम जोड़ने और सहयोग/परामर्श प्रदान करने के लिए नीचे दिए गए *ईमेल एड्रेस पर मेल करने की कृपा करें।*
*🙏एडिटर परिवहन विशेष🙏*

09811732095,
newstransportvishesh@gmail.com
parivhansmachar@gmail.com

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

**रिपोर्ट के मुताबिक 2.5 माइक्रोमीटर यानि पीएम 2.5 आकार के प्रदूषणकारी कण सांस के रास्ते खाने में मिल जाते हैं**

# दुनियां की धरती पर हर जगह हवा जहरीली : स्टडी

एस.डी सेठी

**नई दिल्ली।** दुनियां में अब कोई ऐसी जगह नहीं बची जहां हवा साफ हो। वायु प्रदूषण हर जगह अपने पैर पसार रहा है। ये चेतावनी हाल ही में हुई एक स्टडी में दी गई है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि दुनियां की सिर्फ 0.0001 आबादी को ही कम प्रदूषित हवा मिल रही है। खांसते-हांफते हालत खराब हुई जा रही है। आंखों में जलन,सिर दर्द, बदन दर्द, मितली, बुखार, टीबी,कैसर, सट्रोक और शारीरिक थकान जैसी बनी रहती है।इसकी आखिर वजह क्या है? दम घोंटा जहरीली हवा।

अब दुनियां में कोई कोना नहीं बचा है, जहां किसी को साफ हवा मिल रही हो। पूरी दुनियां में साल भर में 70 फीसदी दिनों मे हवा प्रदूषित ही रहती है। दुनियां की कुल आबादी में सिर्फ 0.0001 फीसदी आबादी को ही कम प्रदूषित हवा मिल पा रही है। पहली.बार एक ऐसी स्टडी हुई है जिसमें पूरी दुनियां के वायु प्रदूषण की गणना की गई है। इस स्टडी को लीड करने वाले वैज्ञानिक आस्ट्रेलिया के मोना यूनिवर्सिटी से है। जिनकी रिपोर्ट हाल ही में( दि लांसेट जर्नल )में प्रकाशित हुई है।

अब दुनियां में कोई कोना नहीं बचा है, जहां किसी को साफ हवा मिल रही हो। पूरी दुनियां में साल भर में 70 फीसदी दिनों मे हवा प्रदूषित ही रहती है। दुनियां की कुल आबादी में सिर्फ 0.0001 फीसदी आबादी को ही कम प्रदूषित हवा मिल पा रही है।

हर.साल वायू प्रदूषण की वजह से 80 लाख लोगों की मौत होती है। रिपोर्ट के मुताबिक 2.5 माइक्रोमीटर यानि पीएम 2.5 आकार के प्रदूषणकारी कण सांस के रास्ते खाने में मिल जाते हैं। जिनकी वजह से। स्ट्रोक ,लंग कैंसर,और दिल की बीमारियां हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नियमों के मुताबिक हर रोज किसी इंसान को पीएम 2.5 का अधिकतम एक्सपोजर 15 यू जी/एम3 होना चाहिए। लेकिन 2000 से 2019 से इसका औसत 32.8 यूजी / एम 3 था। यानि दोगुने से भी ज्यादा। स्टडी के लिए 65 देशों में लगे 5446 मॉनिटरिंग स्टेशन से हांसिल किये गए डेटा के आधार पर की गई है। पूर्वी एशिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण है। पिछले दो दशकों में इस इलाके में 50 यूजी / एम3, की मात्रा में पी एम 2.5 के एक्सपोजर का सालाना औसत देखा गया है। इसके.बाद दक्षिण एशिया का इलाका आता है। आखिर में 30 यूजी /एम3, के साथ उत्तरी अफ्रीका। सबसे कम प्रदूषण न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया में है। जलवायु परिवर्तन से जहरीली हवा हो रही है। वेस्ट चीन- उत्तर भारत में पैट्रोल- डीजल के इस्तेमाल से सर्दियों में प्रदूषण बढता है। रिपोर्ट की भयावह के मद्देनज़र सरकारें नीति निर्धारण करने वाले लोग लंबे समय

इनसाइड

## मीनोपॉज के लक्षणों को कम करने के लिए महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास

ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मीनोपॉज (Menopause) होता है. इस दौरान कई महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे लक्षणों का अनुभव करती हैं. ऐसे में महिलाएं राहत पाने के लिए योनि मुद्रा (Womb gesture), हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra) और प्राण मुद्रा (Prana Mudra) का अभ्यास कर सकती हैं.

मीनोपॉज (Menopause) मासिक धर्म यानी मेंस्ट्रुअल साइकिल के खत्म होने और महिलाओं के रिप्रोडक्टिव हार्मोन (Reproductive hormone) में कमी आने का संकेत है. ज्यादातर महिलाओं को 40 से 50 की उम्र में मेनोपॉज होता है. इसके कारण कई महिलाएं बहुत सारी समस्याओं का सामना करती हैं.

आपको बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक मीनोपॉज के कारण महिलाएं हॉट फ्लैश, वजाइनल ड्राइनेस जैसे कुछ लक्षणों का अनुभव करती हैं. कुछ मामलों में नींद में गड़बड़ी भी हो सकती है. कुछ महिलाओं को चिंता या अवसाद भी अपना शिकार बना लेते हैं लेकिन इसके लक्षणों को कम करने के लिए योग का सहारा लिया जा सकता है. आध्यात्मिक गुरु, योग-उद्यमी और लेखक, ग्रैंड मास्टर अक्षर (Grand Master Akshar) के अनुसार, योग एक 'होलिस्टिक सॉल्यूशन' देता है. उनके मुताबिक योग न केवल लक्षणों को आसानी से कम करने में कारगार है, बल्कि इस बदलाव के दौरान योग सपोर्ट सिस्टम भी प्रदान करता है. उन्होंने बताया कि आसन, प्राणायाम और ध्यान के साथ, कुछ मुद्राओं का अभ्यास मीनोपॉज के दौरान मददगार साबित हो सकता है. आइए, जानते हैं कि कौनसी 3 मुद्राएं महिलाओं को करनी चाहिए

**महिलाएं जरूर करें इन 3 मुद्राओं का अभ्यास**

**योनि मुद्रा (Womb gesture)**

इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में बैठ कर किया जा सकता है. इसमें रीढ़ सीधी रहती है.
इसके लिए हाथों को गोद में लेकर आएं.
मिडिल, रिंग और छोटी उंगलियों को आपस में इंटरलॉक कर लें.
अंगूठे और तर्जनी उंगली को एक साथ दबाएं.
अब हीरे की आकृति बनाते हुए अंगूठे और तर्जनी को एक दूसरे से दूर ले जाएं.

**हकीनी मुद्रा (Hakini Mudra)**

हकीनी मुद्रा को मन की मुद्रा भी कहा जाता है.
इसे सूर्योदय के दौरान करने की सलाह दी जाती है.
इसका अभ्यास सुखासन या पद्मासन में किया जा सकता है.
इस मुद्रा का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले हथेलियों को कुछ इंच की दूरी पर एक दूसरे के सामने लाएं.
दोनों हाथों की उंगलियों और अंगूठों को मिलाएं.
अब हाथों को माथे के पास तीसरे नेत्र चक्र के स्तर तक उठाएं.

यह भी पढ़ें- Women Psychology: प्यार करने वाली औरतों से जुड़े 5 मनोवैज्ञानिक फैक्ट्स

**प्राण मुद्रा (Prana Mudra)**

इस मुद्रा को दोनों हाथों की मदद से बनाया जाता है.
इसमें रिंग फिंगर के सिरे और छोटी उंगली को अंगूठे के सिरे से जोड़ना होता है.
बाकी सभी अंगुलियों को सीधा फैलाएं.
इस दौरान श्वास लें और श्वास छोड़ें.
क्रोनिक कंडिशन में इसका एक बार सुबह और एक बार शाम को 15 मिनट तक अभ्यास करें.
जानकारी के मुताबिक हर मुद्रा को कम से कम 5 मिनट के लिए करना चाहिए.

# कृषि क्षेत्र में महिलाओं का वर्चस्व

महिला किसानों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती, एक बीघा योजना, पोषण वाटिका, कृषि सखी समेत अन्य कई योजनाएं चलाई गई हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में योगदान दे रही हैं'

महिला किसानों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती, एक बीघा योजना, पोषण वाटिका, कृषि सखी समेत अन्य कई योजनाएं चलाई गई हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में योगदान दे रही हैं

21वीं सदी को विज्ञान और महिलाओं के लिए समर्पित किया गया है। इस आधुनिक महिला युग में जहां महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं, वहीं कई क्षेत्रों में उनसे आगे बढ़कर नित नए आयाम स्थापित कर रही हैं। भारतीय नारी समाज, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही है। वहीं कृषि-बागवानी क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। आज कृषि क्षेत्र में महिलाएं आधुनिक तकनीकों के दम पर इस क्षेत्र में दूसरों के सामने उदाहरण पेश कर रही हैं और कृषि व बागवानी क्षेत्र में इनका वर्चस्व दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। महिलाओं के कृषि क्षेत्र में आने से वे महिला सशक्तिकरण को बल देने के साथ पोषणयुक्त खाद्यान्न की जरूरतों को भी भली भांति समझते हुए इस दिशा में भी काम कर रही हैं। गौर रहे कि भारत हंगर इंडेक्स में 116 देशों में 101वें स्थान पर है। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों में पोषण की कमी की वजह से शरीर का कम या अधिक भार को लेकर भारी कमी पाई गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार हिमाचल प्रदेश में नवजात शिशुओं में मृत्यु दर 25.6 पाई गई है। वहीं पांच साल के 25.5 छोटे बच्चों में कम भार की समस्या देखी गई है। इतना ही नहीं हिमाचल की 15 से 49 साल तक की 53 फीसदी महिलाओं में एनीमिया की समस्या देखी गई है।

महिलाओं और बच्चों में पोषणयुक्त खाद्यान की कमी के चलते बढ़ रही समस्याओं को दूर करने में महिलाओं की अतुलनीय भूमिका है। महिलाएं जहां अपने घरों के आसपास छोटी सी बगिया में पोषण से भरी तरह-तरह की शाक सब्जियां उगाकर कई तरह के जरूरी खनिजों की जरूरत को पूरी करती हैं, वहीं सदियों से चले आ रही पोषणयुक्त मोटे अनाजों की खेती को संजोकर रखते हुए पोषणयुक्त खाद्यान भी उपलब्ध करवा रही हैं। अब इससे एक कदम आगे बढ़कर हिमाचल की महिलाओं ने रसायनरहित खाद्यान्न की महत्ता को समझते हुए प्राकृतिक खेती को सहजता से अपनाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हिमाचल में डेढ़ लाख से अधिक किसान 16 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। प्राकृतिक खेती करने में महिला किसान-बागवान भी आगे बनी हुई हैं। आंकड़ों की मानें तो प्रदेश में 90 हजार से अधिक महिलाएं प्राकृतिक खेती को अपना रही हैं। वहीं यदि प्रमाणीकृत प्राकृतिक खेती किसानों की बात करें तो इसमें भी महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। प्रदेश में अभी तक कुल 41 हजार किसानों ने प्राकृतिक खेती के प्रमाणीकरण के लिए आवेदन किया है। इनमें से 36 हजार महिला किसान हैं, वहीं यदि इन किसानों को सरकार की ओर से प्रमाणपत्र जारी करने की बात है तो अभी तक 24 महिला किसानों को प्राकृतिक खेती किसान होने के प्रमाणपत्र जारी किए जा चुके हैं। प्राकृतिक खेती कर रही महिलाओं का मानना है कि प्राकृतिक खेती में जहां रसायनमुक्त खेती की जाती है, वहीं खेती में एक फसलीय प्रणाली के बजाय बहु फसलीय खेती की जाती है। प्राकृतिक खेती विधि में किसान एक साथ कई फसलें लगाता है जिससे एक तरफ तो उसे थोड़े-थोड़े समय में लगातार लंबे समय तक आय होती रहती है, वहीं बहुत सारी फसलों के लगने से फसलों में बीमारियों में कमी के साथ खाद्यान्न विविधता भी मिलती है। इस खेती विधि में किसी भी तरह के रसायन का प्रयोग न करके देसी गाय के गोबर, मूत्र और कुछ स्थानीय वनस्पतियों से खेती में प्रयोग होने वाले सभी तरह के आदान तैयार किए जाते हैं, जिससे खाद्यान्न स्वस्थ तो होते ही हैं, साथ ही वे पोषण से भरपूर होते हैं। ये पोषणयुक्त खाद्यान्न समय की मांग हैं और आज के उपभोक्ता में इनके प्रति भारी मांग बढ़ रही है।

हिमाचल प्रदेश में खेती व बागवानी में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के मुकाबले अधिक है। खेती के साथ पशुपालन के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। फलों की टोकरी कहे जाने वाले हिमाचल में सवा लाख के करीब बागवान सेब बागवानी से जुड़े हैं और इनमें से अधिकतर पुरुष हैं। लेकिन शिमला जिला की एकल महिला सत्या देवी ने क्षेत्र के बागवानों में अपनी विशेष पहचान पाई है। सत्या देवी अकेली अपना 5 बीघा का सेब का बाग संभाल रही है और हर साल 4 लाख की कमाई भी कर रही है। सेब बागवानी में महंगाई की मार को देखते हुए अब सत्या देवी ने कृषि-बागवानी में लागत को कम करने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाया है। जिला मंडी की युवा किसान लीना शर्मा ने क्षेत्र को रसायनमुक्त करने का बीड़ा उठाया है।

लीना शर्मा ने अपने खेतों में रसायनमुक्त खेती का एक मॉडल खड़ा किया और अब साथ 100 से अधिक किसानों को जोडक़र अपनी पूरी पंचायत को रसायनमुक्त करने का अभियान छेड़ा है। वहीं कुल्लू-मनाली की हसीन वादियों के बीच बसे बंजार क्षेत्र की अनिता नेगी क्षेत्र के किसानों के लिए एक मिसाल बनकर उभरी हैं। खेती के दम पर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाली अनिता नेगी न सिर्फ एक सफल किसान और बागवान हैं, बल्कि उनके खेती मॉडल से लोग इतने प्रभावित हुए कि उन्हें पंचायत वासियों ने पंचायत समिति सदस्य बना दिया है। अनीता नेगी सब्जी, फल और पौध को बेचकर हर साल 6 लाख रुपए की कमाई कर रही है। महिला किसानों ने अब खेती के साथ अपने उत्पादों के विपणन के लिए प्रयासों में तेजी लाई है। महिला किसानों ने अपने खेतों में उगने वाले उत्पादों को बाजार मुहैया करवाने के लिए सोलन जिला की जाबल जमरोट पंचायत की महिलाओं ने आपस में मिलकर प्रदेश की पहली महिला किसान उत्पाद कंपनी का गठन किया है। इस कंपनी में सभी महिलाएं भागीदार हैं और ये महिलाएं सब्जियों और विभिन्न अनाजों को बाजार उपलब्ध करवाकर महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश कर रही हैं। महिला किसानों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती, एक बीघा योजना, पोषण वाटिका, कृषि सखी समेत अन्य कई योजनाएं चलाई गई हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में अहम योगदान दे रही हैं। इससे न सिर्फ पोषणयुक्त खाद्यान्न की जरूरतें पूरी हो रही हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि क्षेत्र भी एक सशक्त विकल्प बनकर उभरा है।

## प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने रहना है हेल्दी और मेंटली स्ट्रॉन्ग, तो महिलाएं जरूर फॉलो करें ये 10

प्रेग्नेंसी के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु (Baby) की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत (Health) के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें.

मां बनने का अहसास दुनिया का सबसे खुशनुमा अहसास होता है, लेकिन जरा सी भी लापरवाही बरती जाए, तो प्रेग्नेंसी (Pregnancy) के पूरे नौ महीने तकलीफदायक भी हो सकती है. प्रेग्नेंसी को तीन ट्राइमेस्टर में बांटा गया है, पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही. इसमें पहली और तीसरी तिमाही काफी नाजुक होती है. इस पीरियड के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही की, तो गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है. ऐसे में पूरे 9 महीने एक गर्भवती महिला को अपनी सेहत के प्रति काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है. डाइट, लाफस्टाइल, एक्सरसाइज आदि का खास ख्याल रखना चाहिए, ताकि आप मेंटली और फिजिकली फिट रहें और एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकें. यहां हम आपको कुछ टिप्स (How to stay fit during pregnancy) बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप खुद को रख सकती हैं हेल्दी और फिट'.

**हेल्दी प्रेग्नेंसी के 10 टिप्स**

1 टीओआई की खबर के अनुसार, गर्भावस्था के पूरे 9 महीने खानपान में कोई भी लापरवाही ना बरतें. आप जो भी खाएंगी वो आपके शिशु को भी लगेगा. अक्सर, प्रेग्नेंसी के पहले महीने में कुछ महिलाओं को उल्टी, मितली, भूख न लगना, थकान जैसी परेशानियां होती हैं, जिससे उनका खानपान भी गड़गड़ हो जाता है. अपने डाइट में हल्की भुनी पसंदीदा सब्जियों को शामिल करें. फाइबर से भरपूर सब्जियां, फल खाएं. हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों के सेवन से आपका शिशु भी हेल्दी होगा.

2 प्रेग्नेंसी के दिनों में शरीर में आयरन की कमी न होने दें. अक्सर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है, जिससे उनमें खून की कमी हो जाती है. वे एनीमिया से ग्रस्त हो जाती हैं. आयरन से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करें. इसके अलावा, विटामिन सी के साथ आयरन लें ताकि शरीर में आयरन एब्जॉर्प्शन सही हो सके. आप दाल, फल, मीट खाएं. नींबू पानी, संतरा का जूस पीकर भी आयरन एब्जॉर्प्शन को बढ़ा सकती हैं.

3 आप खुद को हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें. अपने साथ हमेशा एक बोतल पानी रखें और बीच-बीच में पानी पीती रहें. साथ ही नारियल पानी, स्मूदी, फलों से तैयार जूस और शेक्स भी पी सकती हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो. डाइट में उन फलों को शामिल करें, जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है. खीरा, खरबूज, टमाटर, लौकी, तरबूजा आदि खाएं, खासकर गर्मी के सीजन में. इतना ही नहीं

4 फॉलिक एसिड का सेवन भी प्रेग्नेंसी के दिनों में बहुत जरूरी होता है. इसे आप हरी पत्तेदार सब्जियों, दालें, फोर्टिफाइड अनाज के सेवन से पा सकती हैं. प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में आपको फॉलिक एसिड सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत होगी, क्योंकि यह भ्रूण को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है.

5 दिन भर में हेल्दी स्नैक्स का सेवन करना भी है जरूरी. इसके लिए आप रोस्टेड बादाम, काजू खाएं. ड्राई खुबानी, प्रोटीन बार्स, सीरियल बार्स अपने साथ रखें और थोड़े-थोड़े गैप में खाती रहें.

6 हेल्दी प्रेग्नेंसी तभी संभव है, जब आप प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेंगी. सारा दिन काम करके शरीर थक जाता है, ऐसे में आराम करना भी जरूरी है. गर्भावस्था में बायीं करवट लेकर सोएं. बायीं करवट में सोने से शरीर में रक्त प्रवाह सही से होता है और पेट पर दबाव भी कम पड़ता है. एक बात का ध्यान रखें कि आपका बिस्तर और तकिया कंफर्टेबल हो.

7 शारीरिक रूप से एक्टिव रहें, कुछ हल्के एक्सरसाइज, योग करें. प्रतिदिन रात में डिनर करने के बाद 15-30 मिनट टहलें. इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहेगा. आप फिजिकली और इमोशनली फिट महसूस करेंगी. डिलीवरी के समय अधिक समस्या नहीं होगी.

8 प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ चीजों के सेवन से बचना चाहिए जैसे कच्चा या अधपका मांस, कच्चा अंडा, पपीता. उबला अंडा खा सकती हैं, पर ध्यान रखें कि पीला वाला भाग अच्छी तरह से पक गया हो.

9 बहुत ज्यादा किसी बात को लेकर चिंतित या स्ट्रेस में न रहें. इससे मानसिक और शारीरिक सेहत को नुकसान पहुंच सकता है. यदि आपको डिलीवरी के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर अभी से स्ट्रेस, डर बैठ गया है, तो इससे उबरने के लिए योग, डीप-ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें. स्ट्रेस मैनेज करने के लिए टहलें, स्ट्रेचिंग करें.

10 प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत अधिक चाय, कॉफी पीने से बचें. कॉफी में मौजूद कैफीन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. बेहतर है की आप नींबू वाली चाय, हर्बल टी या कैफिन रहित ड्रिंक्स का सेवन करें.

## महिलाओं में वजन बढ़ना कई बीमारियों की है वजह, हो सकती हैं ये 8 शारीरिक और मानसिक समस्याएं

सिर्फ मोटापे (obesity) की वजह से लाखों महिलाएं (women) जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं मोटापे को दूर रखें और सक्रिय रहकर एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक (Physical) और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

पुरुषों की तुलना में मोटापे (obesity) की समस्या महिलाओं (women health) में अधिक देखने को मिलती है. मोटापा आमतौर पर चलने फिरने की कमी, असक्रिय लाइफ स्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, हार्मोनल बदलाव आदि के कारण हो सकता है. मोटापे के कारण महिलाओं में कई शारीरिक (Physical) और मानसिक (Mental) समस्याएं हो सकती हैं. मोटापे की वजह से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हार्ट हेल्थ प्रभावित हो सकती है. जबकि नॉर्मल लाइफ में उन्हें चलने, फिरने, उठने, बैठने और अपने दैनिक कामों में भी परेशानी आ सकती है. यही नहीं, वजन के अनियंत्रित होने से मन और दिमाग पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. अधिक मोटापे से महिलाओं में अनिद्रा, तनाव और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं देखने को मिलती हैं. साथ ही कई महिलाएं बॉडी शेमिंग की वजह से अपना आत्मविश्वास खो देती हैं.

यूएस वुमंस हेल्थ के मुताबिक, सिर्फ मोटापे की वजह से लाखों महिलाएं जानलेवा बीमारियों की शिकार हो जाती हैं और जान से हाथ धो बैठती हैं. मोटापे की वजह से हार्ट स्ट्रोक, हार्ट अटैक, कैंसर, प्रेग्नेंसी प्रॉब्लम, हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं. इसलिए जरूरी है कि महिलाएं एक्टिव लाइफ लीड करें. आइए जानते हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं को किन शारीरिक और मानसिक समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है.

**महिलाओं में मोटापे से होने वाली समस्याएं**

**हार्ट संबंधी समस्याएं**

दरअसल वजन बढ़ने के कारण कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और हाई बीपी के कारण हार्ट अटैक की समस्या भी हो सकती है. इससे शरीर में कई और परेशानियां भी हो सकती हैं और आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं.

**डायबिटीज**

मोटापे के कारण ब्लड में ग्लूकोज का लेवल बढ़ जाता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है. यह आपके शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है.

**हाई ब्लड प्रेशर**

वजन बढ़ने से महिलाओं में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है और ब्लड सर्कुलेशन के लिए हार्ट पर अधिक दबाव पड़ने से हार्ट और रक्त वाहिकाओं दोनों को नुकसान पहुंच सकता है और ब्रेन हैमरेज का खतरा भी हो सकता है.

**डिप्रेशन**

ज्यादातर किशोरावस्था में लड़कियों में देखा जाता है कि मोटापा बढ़ने से उनमें बॉडी शेमिंग जैसी फीलिंग्स आ जाती है और धीरे-धीरे वे चिंता और डिप्रेशन में चली जाती हैं.

**फैटी लीवर प्रॉब्लम**

फैटी लीवर में आपके लीवर में फैट बनने लगता है और आपको कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं. यह ऑयली फूड, कैलोरी और फ्रूक्टोज के कारण भी हो सकता है. मोटापा और डायबिटीज फैटी लीवर के मुख्य कारणों में से एक है.

**किडनी प्रॉब्लम**

मोटापे के कारण किडनी में भी परेशानी हो सकती है. इससे ब्लड फिल्टर करने में परेशानी आती है और डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी बढ़ सकती है.

**अनिद्रा की समस्या**

महिलाओं को कई बार रात में अच्छे से नींद नहीं आती. इसकी वजह बढ़े वजन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं.

**मूड स्विंग**

मोटापे के कारण आपके शरीर में कुछ हार्मोनल बदलाव भी आ सकते हैं जिसके कारण मूड स्विंग हो सकता है. कभी-कभी मूड स्विंग होने पर महिलाएं बहुत ज्यादा खाना खाने लगती हैं, जिससे आपकी समस्या और बढ़ सकती है.

# जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश: साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, हौसले नहीं तोड़ सकते

एनटीवी संवाददाता

मनीष सिसोदिया ने होली वाली शाम को भी अपने ट्विटर से एक ट्वीट किया था जिस पर भाजपा ने सवाल उठाया था कि आखिर सिसोदिया ने ट्वीट कैसे किया, क्या जेल में उनके पास मोबाइल है।

**नई दिल्ली।** कथित आबकारी घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से आज एक बार फिर ट्वीट हुआ है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कुछ बातें कहीं हैं, हालांकि ट्वीट में साहेब शब्द का उपयोग किया गया है।

सिसोदिया के अकाउंट से ट्वीट किया हुआ है, 'साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुंचा सकते हो, मगर मेरे हौसले नहीं तोड़ सकते, कष्ट अंग्रेजो ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को दिए, मगर उनके हौसले नहीं टूटे। - जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश'।

मनीष सिसोदिया ने होली वाली शाम को भी अपने ट्विटर से एक ट्वीट किया था जिस पर भाजपा ने सवाल उठाया था कि आखिर सिसोदिया ने ट्वीट कैसे किया, क्या जेल में उनके पास मोबाइल है।

**कुछ दिन पहले सिसोदिया ने लिखी थी जेल से चिट्ठी**

तिहाड़ जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को देश के नाम खुला पत्र लिखा। भाजपा की केंद्र सरकार पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए सिसोदिया ने लिखा कि भाजपा लोगों को जेल में डालने की राजनीति कर रही है। हम बच्चों को पढ़ाने की राजनीति कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का गुनाह इतना है कि प्रधानमंत्री के समक्ष वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर दी, इसलिए केजरीवाल सरकार के दो मंत्री फिलहाल जेल में हैं। जेल की राजनीति भले ही सफल होते दिख रही है, लेकिन भारत का भविष्य स्कूल की राजनीति में है। अगर पूरे देश की राजनीति तन-मन-धन से शिक्षा के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के काम में जुट गई होती तो देश में हर बच्चे के लिए विकसित देशों की तरह अच्छे स्कूल बन गए होते।

सिसोदिया ने पत्र में लिखा है कि जेल के अंदर से देख पा रहा हूं कि जब राजनीति में सफलता जेल चलाने से मिल जा रही है तो स्कूल चलाने की राजनीति की भला कोई जरूरत क्यों महसूस करेगा। सत्ता के खिलाफ उठने वाली आवाज को जेल भेजना बच्चों के लिए अच्छे स्कूल-कॉलेज खोलने से कहीं ज्यादा आसान है। एक बार शिक्षा की राजनीति राष्ट्रीय फलक पर आ गई तो जेल की राजनीति हाशिए पर ही नहीं, बल्कि जेल भी बंद होने लगेंगी।

**सत्ता के खिलाफ उठी आवाज को दबाया जा रहा**

सत्ता के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को जेल भेजकर या जेल भेजने की धमकी देकर सत्ता चलाना, शानदार स्कूल-कॉलेज खोलने और चलाने से कहीं ज्यादा आसान है। उत्तर प्रदेश के हुक्मरानों को एक लोकगायिका का लोकगीत अपने खिलाफ लगा तो पुलिस का नोटिस भेजकर उसे जेल जाने की धमकी भिजवा दी। कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री के बारे में एक शब्द कहने पर दो राज्यों की पुलिस ने उन्हें एक खूंखार अपराधी की तरह फिल्मी अंदाज में दबोच लिया।

**जेल की राजनीति से नेता तो शिक्षा से देश बन रहा है ताकतवर**

सिसोदिया ने पत्र में लिखा है कि तस्वीर एकदम साफ दिख रही है। जेल की राजनीति सत्ता में बैठे नेता को और बड़ा व ताकतवर बना रही है। शिक्षा की राजनीति के साथ समस्या यही है कि यह नेता को नहीं देश को बड़ा बनाती है। जब शिक्षा लेकर देश के कमजोर से कमजोर परिवार का बच्चा भी मजबूत नागरिक बनता है तो देश ताकतवर बनता है। देश साफ-साफ देख रहा है कि कौन खुद को बड़ा बनाने की राजनीति कर रहा है और कौन देश को बड़ा बनाने की राजनीति कर रहा है।

**शिक्षा की राजनीति नहीं है आसान**

सिसोदिया ने लिखा कि यह बात जरूर है कि शिक्षा की राजनीति आसान काम नहीं है। यह कम से कम राजनीतिक सफलता का शॉर्टकट तो बिल्कुल नहीं है। शिक्षा के लिए इतने बच्चों को माता-पिता को और विशेषकर शिक्षकों को प्रेरित करने का रास्ता लंबा है। जेल की राजनीति में तो जांच एजेंसी के चार अधिकारियों को दबाव में लेने भर से काम हो जाता है। शिक्षा की राजनीति में ऐसा नहीं हो सकता।

**दिल्ली के शिक्षा मॉडल को सीखने अपनाने का सिलसिला शुरू**

देश में शिक्षा की राजनीति के जरिये आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए सिसोदिया ने लिखा है कि जेल की राजनीति की इसी सुलभ सफलता ने राजनीति में शिक्षा को हाशिए पर ला दिया है। हालांकि शुभ संकेत यह है कि शिक्षा की राजनीति देश के वोटर के अंदर सुगबुगाहट ला रही है। दिल्ली के शिक्षा मॉडल से प्रभावित होकर पंजाब के वोटरों ने भी बेहतरीन शिक्षा, अच्छे सरकारी स्कूल और कॉलेज के लिए वोट दिया। इससे भी अच्छी बात यह है कि कई गैर भाजपा व गैर कांग्रेसी राज्य सरकारों ने राजनीति से ऊपर उठकर एक दूसरे के अच्छे कार्यों से सीखने-समझने का सिलसिला शुरू कर दिया है। भाजपा शासित राज्यों में सरकारी स्कूल भले ही खराब हालत में हों फिर भी वहां के मुख्यमंत्री शिक्षा से जुड़े विज्ञापन करने के लिए मजबूर हुए हैं।

**राष्ट्र शिक्षा से आगे बढ़ेगा, जेल भेजने से नहीं**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम पत्र लिखा है। भाजपा लोगों को जेल में डालने की राजनीति करती है। हम बच्चों को पढ़ाने की राजनीति कर रहे हैं। राष्ट्र शिक्षा से आगे बढ़ेगा, जेल भेजने से नहीं।

## ब्रीफ न्यूज

### 55 लाख रुपये के लिए कश्मीरी को किया किडनैप, 6 घंटे में पुलिस ने पंजाब से किया अरेस्ट

**नई दिल्ली :** दिल्ली पुलिस ने राजधानी से अगवा हुए एक कश्मीरी व्यक्ति को महज 6 घंटे के भीतर ही छुड़वा लिया। पुलिस ने पंजाब पुलिस की मदद से किडनैपर्स को पंजाब के फगवाड़ा से अरेस्ट किया। मामला 55 लाख के रुपये के लेनदेन से जुड़ा था। पीड़ित ने मामले में गिरफ्तार लोगों से पैसे लिए थे जिसे वह अब नहीं लौटा रहा था। इसके बाद से आरोपियों ने उसे अगवा कर पैसे की वसूली का षड्यंत्र रचा था। इस मामले में पुलिस के पास कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई थी। कॉल करने वाले का कहना था कि मेरे जीजा सैयद तारीख को कुछ कश्मीरी लोग कश्मीरी गेट के पास से उठा कर ले गए हैं।

**सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान**

पीसीआर पर कॉल मिलने के बाद से पुलिस एक्टिव हो गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां कोई नहीं था। इसके बाद पुलिस ने आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू की। पुलिस को जांच में पता लगा कि कश्मीरी गेट में हरे रामा ट्रैवल्स के पास दो लोग एक व्यक्ति को अगवा कर ले गए हैं। किडनैपर्स ने इसके लिए टैक्सी नंबर की कार का यूज किया था। सीसीटीवी के अनुसार पता लगा कि किडनैपर्स कश्मीरी गेट से जीटी करनाल रोड की तरफ गए हैं। इसके बाद हरियाणा और पंजाब पुलिस को सूचित किया गया। इस क्रम में पंजाब पुलिस के सहयोग से किडनैपर्स को पंजाब के फगवाड़ा के पास से गिरफ्तार किया गया।

### छठी से आठवीं तक के छात्रों के लिए शुरू किया जा रहा है द लैंग्वेंज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट

**नई दिल्ली।** शिक्षा निदेशालय के अनुसार सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भारत की भाषाओं का परिचय देने के लिए द लैंग्वेज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों को भारतीय भाषाओं को खेल-खेल में समझाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए स्कूलों में छठी से आठवीं तक के बच्चों के लिए द लैंग्वेंज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को शब्दों का खेल जिसमें भाषाओं के विभिन्न लोकप्रिय शब्दों का अर्थ, विभिन्न भाषाओं में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्थानीय क्षेत्रीय पर्वों को मनाना एवं प्रार्थना सभा में उनका महत्व बताना जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। शिक्षा निदेशालय के अनुसार सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भारत की भाषाओं का परिचय देने के लिए द लैंग्वेज ऑफ इंडिया प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है।

# दिल्ली के नए मंत्रियों ने किया 24 घंटे बिजली-पानी देने का वादा

एनटीवी संवाददाता

कार्यभार संभालने के बाद दोनों मंत्रियों ने कहा कि गर्मी आने वाली हैं। पहले की तरह इस बार भी दिल्लीवालों को बिजली व पानी के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

**नई दिल्ली।** दिल्ली के नवनियुक्त मंत्री सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने शुक्रवार दिल्ली सचिवालय में अपने-अपने विभागों का प्रभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालने के बाद दोनों मंत्रियों ने कहा कि गर्मी आने वाली हैं। पहले की तरह इस बार भी दिल्लीवालों को बिजली व पानी के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। अमर उजाला संवाददाता राकेश शर्मा ने पदभार ग्रहण के बाद दोनों मंत्रियों से विस्तार से बात की। पेश हैं इसके अंश...

**गर्मियों आने वाली हैं, पानी को लेकर दिल्ली सरकार क्या प्लान हैं।**

केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर में पीने का पानी पहुंचे। हालांकि, पानी की उपलब्धता सीमित है, लेकिन हम बेहतर प्रबंधन कर पानी की आपूर्ति को सुनिश्चित करेंगे। हमारी कोशिश है कि भीषण गर्मी में भी दिल्लीवालों को निर्बाध पानी की आपूर्ति मिलते रहे। जिन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन हैं वहां समय में बदलाव कर पानी की आपूर्ति की जाएगी। वहीं, जहां पाइपलाइन नहीं है, वहां टैंकर से सुविधा दी जाएगी।

**पानी के टैंकर को लेकर सवाल उठते हैं, इससे कैसे निपटेंगे?**

दिल्ली में चलने वाले पानी के टैंकर अब झूठे दावे नहीं कर पाएंगे। सभी टैंकरों में जीपीएस है। उसी के आधार पर पेमेंट किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि पानी की आपूर्ति नहीं हुई तो भुगतान भी नहीं होगा। इसके अलावा पूर्व व उत्तर-पूर्व दिल्ली में जल्द ही 24 घंटे पानी की सुविधा शुरू होगी। इस दिशा में काम किया जा रहा है। इस सेवा के लिए 15 एमजीडी पानी की कमी को पूरा करने के लिए चयनित जगहों पर हाईपावर ट्यूबवेल लगाए जाएंगे।

**स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या नया प्लान हैं, बीते दिनों लोग दवा व जांच को लेकर परेशान हुए थे।**

दिल्लीवालों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा देना केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है। दिल्ली के अस्पतालों में बड़ी संख्या में एनसीआर से लोग आते हैं। इनकी सुविधा के लिए स्क्रीनिंग, रेफरल नीति व जांच को तेज किया जाएगा। साथ ही एलजी से मदद ली जाएगी कि कोई रुकावट न डाले, बीते दिनों फंड रोकने के कारण अस्पताल में जांच प्रभावित हो गया था। मोहल्ला क्लीनिक में डॉक्टरों को वेतन नहीं मिला।

**निजी अस्पतालों में ईडब्ल्यूएस बेड को लेकर अक्सर सवाल उठते हैं, इसे कैसे सुधारेंगे।**

सरकारी जमीन पर बने दिल्ली के निजी अस्पतालों में गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को मुफ्त सुविधा मिलती है, कई बार इन्हें लेकर सवाल उठते हैं। हम इसके सुधार के लिए काम करेंगे। केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। दिल्ली में जल्द ही सात नए सरकारी अस्पताल भी बनकर तैयार हो जाएंगे जिससे बेड की संख्या बढ़ेंगे।

**मोहल्ला क्लीनिक की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार क्या कर रही है।**

दिल्ली सरकार 30 मेट्रो स्टेशनों पर मोहल्ला क्लीनिक खोलने की दिशा में प्रयास कर रही है। इस दिशा में काफी हद तक काम पूरा हो गया है। हमारी कोशिश है कि जी 20 में आने वाले प्रतिनिधि दल को मेट्रो स्टेशन में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इन्हें जल्द शुरू करने के लिए डीएमआरसी के साथ समझौता करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

**शहरी विकास क्षेत्र को लेकर आपका क्या प्लान है, जी- 20 के लिए यह महत्वपूर्ण है।**

दिल्ली नगर निगम में भी अब आप की सरकार है। हम ठोस कचरा प्रबंधन पर जोर देंगे। कचरे के स्त्रोत पर ही निस्तारण की दिशा में काम करेंगे। हम उपराज्यपाल से भी मदद मांगेंगे। जी 20 की बैठक देश के लिए गर्व की बात हैं और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

**अब निगम के स्कूलों को ठीक करेंगे: आतिशी**

गर्मियों में अक्सर बिजली की मांग बढ़ जाती है, इस चुनौती को कैसे दूर करेंगे। क्या मुफ्त बिजली की सुविधा आगे भी मिलती रहेगी?

दिल्ली में जब से केजरीवाल की सरकार बनी है, हम 24 घंटे बिजली देने का प्रयास कर रहे हैं। गर्मियों में भी मुफ्त बिजली की आपूर्ति मिलती रहे, इसे लेकर समर एक्शन प्लान बना लिया है। दादरी प्लांट से मिलने वाली बिजली को लेकर जल्द केंद्र से भी बात करेंगे। मार्च के अंत तक डीईआरसी भी टैरिफ घोषित कर देगा।

सिसोदिया के साथ आप शिक्षा के क्षेत्र में शुरू से काम करती रही है, मंत्री बनने के बाद इस दिशा में क्या प्राथमिकता रहेगी।

शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया ने दिल्ली की शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति की, हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। दिल्ली सरकार के स्कूल ठीक हो गए हैं, निजी स्कूलों से बच्चे इसमें आ रहे हैं। अब निगम के स्कूलों को भी ठीक करेंगे। जब तक प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में सुधार नहीं होगा, स्कूलों में दिक्कत रहेगी।

**निगम के स्कूलों को लेकर क्या प्लान हैं, कुछ बदलाव किया जाएगा।**

निगम के स्कूलों से पढ़कर छठी में आने वाले बच्चों में देखा गया है कि वह किताब तक नहीं पढ़ पाते। ऐसे बच्चों के लिए दिल्ली सरकार के स्कूलों में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। अब एमसीडी में भी आप सरकार है। हम निगम के स्कूलों में भी सुधार करेंगे। निगम के स्कूलों में प्राथमिक स्तर की शिक्षा मिलती है। हमारी कोशिश रहेगी कि दिल्ली सरकार की तरह निगम के स्कूलों में शिक्षा क्रांति हो।

दिल्ली सरकार ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस तैयार किए हैं, इनमें ज्यादा बच्चों को दाखिला मिले, इसे लेकर क्या प्लान है।

केजरीवाल सरकार ने बच्चों के हुनर को निखारने के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की है। इसमें नौवीं के बाद बच्चे को मौका मिलता है। दिल्ली में ऐसे 30 स्कूल खुल चुके हैं। इन स्कूलों में काफी जगह व मूलभूत सुविधाएं है। आने वाले दिनों में यहां पाठ्यक्रम में विस्तार करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जल्द ही स्कूल के लिए नए भवनों का उद्घाटन करेंगे।

**देश में जी-20 की बैठक होने वाली हैं, क्या दिल्ली इसके लिए तैयार है।**

जी- 20 की बैठक किसी एक राज्य या शहर के लिए नहीं है। यह देश के लिए गर्व की बात है। हम केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रोजेक्ट के लिए फंड की मांग की थी। फंड जल्द मिलने पर विकास की गति और तेज हो सकेंगी।

**दिल्ली में काफी पर्यटक स्थल हैं, लेकिन यहां पर्यटक कम रुकते हैं। इसके लेकर क्या प्लान है।**

दिल्ली में घूमने के लिए कई स्थल हैं, खाने-पीने की गलियां मशहूर हैं, लेकिन इन्हें एक सूत्र में पिरोया नहीं गया है। हम इन सब को लेकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। साथ ही नई सुविधाओं के माध्यम से पर्यटकों को आकर्षिक करेंगे। कई प्रोजेक्ट एमसीडी के साथ मिलकर होते हैं, अब उसमें भी रुकावट नहीं रहेगी। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग भी काम तेज करेगा।

# स्वाति मालीवाल का बड़ा खुलासा, बोलीं- बचपन में मेरे पिता करते थे मेरा यौन शोषण

स्वाति मालीवाल ने कहा कि जब मैं बच्ची थी तब पिता मेरा शोषण करते थे। वह मुझे पीटते थे, जिससे मैं बिस्तर के नीचे छिप जाती थी।

**नई दिल्ली।** दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने अपने साथ हुए यौन शोषण को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा किया है। स्वाति ने कहा है कि मेरे पिता बचपन में मेरा यौन शोषण करते थे। वह गुस्से में मेरी चोटी को पकड़कर दीवार से टकरा देते थे, इस कारण मैं डर कर पलंग के नीचे छिप जाती थी, कई रातें मैंने ऐसे ही बिताई हैं। जब तक मैं अपने पिता के साथ रही, तब तक ये कई बार हुआ। स्वाति ने शनिवार को एक कार्यक्रम में अपनी यह दर्द भरी आपबीती सुनाई।

दिल्ली महिला आयोग की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए स्वाति ने कहा कि मैं चौथी कक्षा तक अपने पिता के साथ रही। जब मेरे पिता जैसे ही घर आते थे मैं डर जाती थी। वह गुस्से में बिना वजह मुझे पीटते थे। डर के कारण मैंने कई रातें तो बिस्तर के नीचे छिपकर बिताई हैं। मैं डरकर सहमती और कांपती रहती थी। तड़प में उस समय मैं केवल यह सोचती थी कि ऐसा क्या किया जाए कि ऐसा शोषण करने वाले और घरेलू हिंसा करने वाले मेरे पिता जैसे आदमियों को सबक सिखा सकूं।

अपने बचपन के संघर्ष को बताते स्वाति ने अपनी बहन, मां और उनके साथ होने वाली मार पिटाई और डर के वातावरण वाली अपनी जिंदगी का कहानी बताई। उन्हें यह पता नहीं चलता था कि कब उनके पिता उनकी पिटाई कर दें। स्वाति ने कहा कि उनका बचपन शराबी पिता के घरेलू हिंसा की पीड़ा को झेलते हुए ही बीता है। वह कहती हैं कि मेरी जिंदगी में मेरी मां, मेरी मौसी, मौसाजी और मेरे नानी-नानाजी न होते तो शायद मैं उस पीड़ा से बाहर नहीं निकल पाती और शायद यहां ना होती जहां मैं आज खड़ी हूं।

स्वाति ने कहा कि मेरा मानना है कि जब अत्याचार होता है तब बहुत बड़ा बदलाव भी आता है। उस अत्याचार को सहते हुए आपके भीतर एक आग जलती है जिसे आप सही जगह लगा दें तो आप जीवन में बड़े-बड़े काम कर सकते हैं। आज जितने लोगों को पुरस्कृत किया है उनकी एक कहानी है। इस कार्यक्रम में ऐसी सशक्त महिलाएं भी हैं जिन्होंने अपनी समस्याओं का डटकर सामना किया है।

# राज्यरानी एक्सप्रेस से कालीनदी में गिरा अटेंडेंट, पैर की हड्डी टूटी

*यह हादसा काली नदी के ऊपर हुआ, गनीमत रही कि संजीव कुमार घांस पर गिरे, पानी में गिरते तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस घायल को गढ़ रोड सीएचसी लेकर आयी। जांच में संजीव कुमार के पैर में फ्रेक्चर मिला, साथ ही शरीर पर कई अन्य स्थानों पर भी चोट आयी थी।*

एनटीवी न्यूज

मध्यप्रदेश के टेहरका निवासी संजीव कुमार रेलवे में तैनात है। शनिवार को उसकी ड्यूटी राज्यरानी एक्सप्रेस में एसी कोच में थी। संजीव कुमार ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे वह ट्रेन में खिड़की के पास बने स्टोर का गेट खोल रहा था, जो जाम था

**नई दिल्ली।** हापुड़ में रफ्तार से दौड़ती राज्यरानी एक्सप्रेस से एसी कोच का अटेंडेंट शनिवार सुबह करीब आठ बजे बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में बहती काली नदी में गिर गया। उसके पैर में फ्रेक्चर आया है, किसी तरह घायल को गढ़ रोड सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया है, पीड़ित अटेंडेंट झांसी रेफर किए जाने का अनुरोध करता रहा।

मध्यप्रदेश के टेहरका निवासी संजीव कुमार रेलवे में तैनात है। शनिवार को उसकी ड्यूटी राज्यरानी एक्सप्रेस में एसी कोच में थी। संजीव कुमार ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे वह ट्रेन में खिड़की के पास बने स्टोर का गेट खोल रहा था, जो जाम था। तेजी से खींचा तो हैंडल निकल कर हाथ में आ गया। संतुलन बिगडने से वह सीधे ट्रेन से नीचे गिरा।

यह हादसा काली नदी के ऊपर हुआ, गनीमत रही कि संजीव कुमार घांस पर गिरे, पानी में गिरते तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस घायल को गढ़ रोड सीएचसी लेकर आयी। जांच में संजीव कुमार के पैर में फ्रेक्चर मिला, साथ ही शरीर पर कई अन्य स्थानों पर भी चोट आयी थी।

बेहतर उपचार के लिए घायल को मेरठ रेफर कर दिया गया। इस दौरान आरपीएफ के जवान भी अस्पताल आ गए। संजीव कुमार ने झांसी के लिए रेफर करने का अनुरोध भी किया। लेकिन चिकित्सकों ने इसमें असमर्थता जता दी।

**घायल को उपचार देकर किया है रेफर**

ट्रेन से गिरकर घायल हुए संजीव कुमार को उपचार देकर रेफर कर दिया गया है। हालत सामान्य है, पैर में फ्रेक्चर आया है।

*- डॉ.दिनेश खत्री, सीएचसी अधीक्षक।*

# अजब फर्जीवाड़ा: अमिता शुक्ला के नाम पर तीन जिलों में नौकरी कर रही थीं अलग-अलग महिलाएं, सभी प्रमाणपत्र भी एक

वहीं अब एसटीएफ की जांच में अमिता शुक्ला जिन शैक्षणिक प्रमाणपत्रों पर नौकरी कर रही हैं, उन्हीं पर दो और अन्य महिलाएं बलरामपुर और सिद्धार्थनगर में नौकरी करती पाई गई हैं।

**नई दिल्ली।** बुलंदशहर में पिछले दिनों गुलावठी क्षेत्र के गांव बराल की मढ़ैया में पकड़ी गई फर्जी शिक्षिका अमिता शुक्ला के मामले में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। अमिता शुक्ला के नाम और दस्तावेजों पर बुलंदशहर के साथ बलरामपुर और सिद्धार्थनगर में भी दो अन्य महिला शिक्षिका नौकरी कर रही हैं। इस फर्जीवाड़े का खुलासा एसटीएफ की जांच में हुआ है। जबकि असली अमिता शुक्ला जनपद फतेहपुर की निवासी है।

पिछले दिनों जनपद के बीएसए को एसटीएफ से एक पत्र प्राप्त हुआ था। बीएसए ने जब पत्र में अंकित शिक्षिका अमिता शुक्ला की जांच कराई तो वह फर्जी निकली। बताया कि वह वर्ष 2014 से बुलंदशहर में तैनात हैं। सबसे पहले ऊंचागांव ब्लॉक, फिर अगौता और अब गुलावठी ब्लॉक के गांव बराल की मढ़ैया में नौकरी कर रही है। इनके सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराया तो वह सब फतेहपुर के पाए गए। वहीं अब एसटीएफ की जांच में अमिता शुक्ला जिन शैक्षणिक प्रमाणपत्रों पर नौकरी कर रही हैं, उन्हीं पर दो और अन्य महिलाएं बलरामपुर और सिद्धार्थनगर में नौकरी करती पाई गई हैं।

**तीनों अमिता शुक्ला के सभी प्रमाणपत्र एक जैसे**

बताया कि इन सभी के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, ग्रेजुएशन समेत सभी प्रमाण पत्र एक जैसे और सभी के अंक भी समान हैं। असली अमिता शुक्ला इस समय फतेहपुर के बिजईपुर प्राथमिक विद्यालय बरहा में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात हैं। बीएसए के अनुसार फर्जी शिक्षिका अमिता शुक्ला पुत्री ब्रह्मदत्त शुक्ला के दस्तावेज फतेहपुर खखेरू के हैं।

इंटरमीडिएट की मार्कशीट चौधरी शिव सहायक सिंह इंटर कॉलेज फतेहपुर की है। इसके अलावा अन्य दस्तावेज भी इसी जनपद के हैं, जो फर्जीवाड़ा कर लगाए गए हैं। तीन जिलों में एक ही शैक्षणिक प्रमाण पत्रों पर शिक्षिका नौकरी कर रही हैं। फर्जी शिक्षिका का वेतन पहले ही रोका जा चुका है। उसे नोटिस दिया तो उसने मेडिकल का हवाला दिया है। जल्द ही उसे बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। फर्जी शिक्षिका अमिता शुक्ला के नाम पर तीन जगह नौकरी करने का मामला संज्ञान में आ चुका है। तीन जिलों में शिक्षिकाएं एक ही दस्तावेज पर नौकरी कर रही हैं। एसटीएफ की रिपोर्ट मिली है। शिक्षिका को बर्खास्त करने की तैयारी की जा रही है। जल्द ही स्कूल महानिदेशक एवं एसटीएफ को रिपोर्ट भेज दी जाएगी।

*- बीके शर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी।*

## ऑनलाइन सट्टेबाजी में झांसी फ्रेंचाइजी का सरगना को कोर्ट ने भेजा जेल, कई देशों से जुड़े थे आरोपी के तार

नोएडा के सेक्टर-108 स्थित कोठी में महादेव बुक एप के माध्यम से नोएडा में ऑनलाइन सट्टेबाजी का गिरोह संचालित कर रहे झांसी फ्रेंचाइजी के सरगना सचिन सोनी को सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

**नोएडा।** सेक्टर-108 स्थित कोठी में महादेव बुक एप के माध्यम से नोएडा में ऑनलाइन सट्टेबाजी का गिरोह संचालित कर रहे झांसी फ्रेंचाइजी के सरगना सचिन सोनी को सेक्टर-39 कोतवाली पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपित अंतरराष्ट्रीय गेमिंग फ्राड गिरोह का इंडिया का हेड है। आरोपित ने सेक्टर-168 स्थित द गोल्डन पाम सोसायटी में किराये पर फ्लैट ले रखा था, जहां से आरोपित ऑनलाइनसट्टेबाजी के गिरोह पर नजर बनाए रखता था। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर एक विभिन्न जगह पर दबिश देकर एक लैपटाप, एक स्मार्ट फोन, पांच फर्जी आधार कार्ड, कोठी का अनुबंध बरामद किया है। गिरोह में शामिल 16 सदस्यों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। आरोपित ने अपने झांसी के तीन साथी अंसफ, आरिफ मंसूरी व नीरज गोस्वामी के नाम भी बताए। नोएडा पुलिस को उसने पूछताछ के दौरान बताया कि अंसफ की झांसी में बहुत प्रापर्टी है। पुलिस उसके बयान को क्रास चेक कर रही है। भोपाल के निक्की गुप्ता के गिरोह में शामिल होने की बात कही है। आरोपित इंडिया हेड के तौर पर नोएडा का काम देखता था। वहीं, नीरज गोस्वामी मैनेजमेंट देखता था। नीरज अभी बैंकाक में है। नीरज का दुबई में बैठे मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर से संबंध है। जेल जा चुके आरोपित अलग-अलग शिफ्ट में काम करते थे।

## ब्रीफ न्यूज

### कार की छत पर बैठी युवती संग चार युवकों ने बनाई रील, वीडियो हुआ वायरल; कटा 18500 रुपये का चालान

इंटरनेट मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर दस और सात सेकेंड का दो वीडियो प्रसारित हुआ हैजिसमें सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा बिल्डिंग के समीप जयपुर नंबर की एक थार कार के छत पर युवती को बैठाकर चार युवक रील बना रहे हैं।

**नोएडा।** इंटरनेट मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर दस और सात सेकेंड का दो वीडियो प्रसारित हुआ है,जिसमें सेक्टर-94 स्थित सुपरनोवा बिल्डिंग के समीप जयपुर नंबर की एक थार कार के छत पर युवती को बैठाकर चार युवक रील बना रहे हैं। प्रसारित वीडियो में कमिश्नरेट और यातायात पुलिस के अधिकारियों को टैग कर यूजर ने कार्रवाई की मांग की।

मामला संज्ञान में आते ही यातायात विभाग के पुलिसकर्मी सक्रिय हो गए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाल कर थार की पहचान की। वीडियो फुटेज के आधार पर ट्रैफिक पुलिस ने जयपुर परिवहन विभाग से पंजीकृत थार जीप की पहचान कर उसके मालिक को 18500 रुपये का चालान थमा दिया है।

**RTO से कार का निकाला रजिस्ट्रेशन नंबर**

डीसीपी अनिल कुमार यादव ने बताया कि संबंधित कार जयपुर आरटीओ प्रथम के यहां से पंजीकृत है। करीब सात माह पहले इसका जयपुर आरटीओ के यहां से साजू के नाम पर पंजीकरण हुआ है। शुक्रवार दोपहर एक बजे के करीब सुपरनोवा के समीप चार युवक, एक युवती को थार की छत पर बैठा कर वीडियो बना रहे थे।

**कार में बज रहे थे गाने**

थार में गाने भी बज रहे हैं। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने विभिन्न मदों में इनका 18500 रुपये का चालान काटा है। इंटरनेट पर लाइक की चाहत में युवा रील बनाने के दौरान खतरनाक स्टंट भी करते हैं। प्रसारित वीडियो पर संबंधित विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

**व्यस्त समय में जाम लगने से लोगों को हुई परेशानी**

व्यस्त समय में अलग-अलग जगह पर जाम लगने से चालकों को भारी परेशानी का सामान करना पड़ा। जाम में फंसे लोगों ने इसकी सूचना यातायात विभाग के अधिकारियों को दी। कुछ लोगों ने ट्विटर पर भी अपनी परेशानी को साझा किया। सप्ताह के अंत में कई लोग अपने गृह जनपद वापस जाते हैं,ऐसे में सड़कों पर वाहनों की संख्या में इजाफा हो जाता है।

शुक्रवार को नोएडा-दिल्ली के बीच कालिंदी कुंज, चिल्ला बार्डर और सेक्टर-62 के समीप वाहन चालकों को व्यस्त समय में जाम का सामना करना पड़ा। साथ ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर एडवांट अंडरपास के समीप भी वाहन चालक करीब दो घंटे तक जाम में फंसे रहे। यहां एक लेन से वाहनों की आवाजाही होने के कारण तकरीबन दो घंटे तक वाहनों के अधिक दबाव के कारण वाहन चालकों को जाम में फंसना पड़ा।

सेक्टर-71 से गौर सिटी को जोड़ने वाली सड़क पर पर्थला के समीप भी वाहन चालकों को परेशानी हुई। चिल्ला, कालिंदी कुंज बार्डर और महामाया फ्लाईओवर पर सप्ताह के अंतिम दिनों में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाती है, लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। सुबह के समय जाम लगने से लोग निर्धारित समय पर दफ्तर नहीं पहुंच सके। वहीं शाम को भी मिनटों का सफर लोगों ने घंटों में तय किया।

# लापता इनकम टैक्स अधिकारी और उनकी पत्नी के जंगल में मिले शव, हत्या की आशंका

अब दोनों के शव मुरादनगर के गंग नहर क्षेत्र में जंगल से बरामद हुए हैं। गांव से सभी परिजन गाजियाबाद के लिए रवाना हो गए हैं।

**नई दिल्ली।** बुलंदशहर के बीबीनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए पति-पत्नी का शव जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर गंग नहर के पास जंगल से बरामद हुए हैं। बीबीनगर थाना क्षेत्र के गांव तिवड़ा निवासी रतिपाल सिंह ने बीते दिनों बीवीनगर थाने पर तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनका भाई रनपाल सिंह फौज से सेवानिवृत है और वर्तमान में वह दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

बताया कि गत 8 मार्च को रणपाल सिंह (42) अपनी पत्नी रेखा (38) के साथ बाइक से वैशाली स्थित अपने घर जाने के लिए निकले थे। लेकिन, वह दोनों वहां नहीं पहुंचे। बीवीनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली थी।

अब दोनों के शव मुरादनगर के गंग नहर क्षेत्र में जंगल से बरामद हुए हैं। गांव से सभी परिजन गाजियाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। वहीं रति पाल सिंह व अन्य परिजन दोनों की हत्या की आशंका जता रहे हैं। दोनों शवों को पुलिस द्वारा कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# आत्महत्या की सनक: पत्नी से झगड़े के बाद खुद को मारने के लिए सिलिंडर की पाइप खोल लगा दी आग, 11 झुलसे

एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नहीं आई है। शुरुआती जांच में झगड़ा होने की जानकारी मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद के लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की तिलकराम कॉलोनी में गुरुवार रात करीब सवा 12 बजे पत्नी से झगड़े के बाद खोखा दुकानदार सुरेश (40) ने आत्महत्या करने के लिए सिलिंडर से पाइप खोल लाइटर जलाकर आग लगा दी। इसमें तीन बच्चे, पत्नी, पड़ोसी समेत 11 लोग झुलस गए। सभी को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पत्नी से झगड़े के पीछे उसके किसी से संबंध होने का शक बताया गया है।

तिलकराम कॉलोनी में बाबू राम परिवार के साथ रहते हैं। उनके चार बेटे सुरेश, रामपाल, जोनी और बृजपाल हैं। बाबू राम अपने बेटों से अलग रहते हैं। तीन मंजिला मकान की निचली मंजिल में सुरेश अपनी पत्नी रितू, बच्चे प्रयांशी, डूग्गू, प्रयांक के साथ रहते हैं।

सुरेश व रामपाल दूसरी मंजिल व तीसरी मंजिल में जोनी अपनी पत्नी पूजा और बच्चों के साथ रहते हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि सुरेश और उसकी पत्नी में कई दिनों से झगड़ा हो रहा था। गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे किसी बात को लेकर दंपती में फिर से झगड़ा हो गया। करीब एक घंटे दोनों में झगड़ा हुआ।

उसके बाद सुरेश ने खुद को रसोई में बंद कर लिया और गैस का पाइप निकालकर आत्महत्या करने की बात कहने लगा। पत्नी रितू ने ऐसा करने से रोका लेकिन वह नहीं मान रहा था। इसके बाद रितू ने परिवार के अन्य सदस्यों और आसपास के लोगों को बुला लिया। परिवार के सदस्य और पड़ोस के लोग उसे ऐसा करने से रोकते रहे।

**लाइटर जलाते ही धमाके के साथ फैल गई आग**

सुरेश ने रसोई का दरवाजा नहीं खोला तो परिवार के सदस्य रसोई की खिड़की से अंदर जाने लगे। इस दौरान सुरेश हाथ में लाइटर लेकर बोलने लगा कि अंदर मत आना वर्ना मैं लाइटर जला दूंगा। परिजनों को रसोई में आता देख सुरेश ने लाइटर जला दिया। लाइटर जलाते ही घर में धमाका हुआ और आग लग गई। आग फैलने पर रसोई से सटे बरामदे पर खडे.परिवार के सदस्य और पड़ोसी झुलस गए।

सुरेश के भाई बृजपाल झुलसने के बाद भी अंदर घुसे और सिलिंडर को बाहर निकालकर नाले में डाल दिया। उन्हें डर था कहीं सिलिंडर फट ना जाए। आग लगने पर आसपास के और लोग आ गए। उन्होंने सभी घायलों को घर से बाहर निकाला। इस दौरान सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। उन्होंने सभी घायलों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया है।

**ये झुलसे**

घटना में सुरेश के साथ-साथ उनके भाई बृजपाल उर्फ पप्पू, पत्नी रितू, भाभी पूजा, बेटा डूग्गू (7), बेटी प्रियांशी (8), प्रियंका (5) पड़ोसी नरेश, योगेश और दीपक झुलस गए। जिस समय यह घटना हुआ थी उस समय घर पर यह सब लोग मौजूद थे। झुलसने के बाद सभी घायलों का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सुरेश के भाई बृजपाल की हालत गंभीर हैं। अन्य के बारे में दस से बीस प्रतिशत झुलसना बताया गया।

**जांच कर होगी कार्रवाई**

एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नहीं आई है। शुरुआती जांच में झगड़ा होने की जानकारी मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# Mahindra जल्द लेकर आने वाली है Scorpio Classic S5 वेरिएंट, जानें इसमें क्या कुछ होगा खास

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आगामी स्कॉर्पियो क्लासिक एस5 वेरिएंट तीन सीटिंग कॉनफ़िगरेशन के साथ आएगी।

Scorpio Classic S5 वेरिएंट में 2.2-लीटर टर्बो-डीजल इंजन आ सकता है।

Scorpio Classic S5 वेरिएंट की कीमत 14 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

**नई दिल्ली** भारतीय बाजार में महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक का एक नया वेरिएंट आने वाला है। जिसका नाम Classic S5 है। जो क्लासिक एस और क्लासिक एस11 ट्रिम्स के बीच स्थित होगा। चलिए आपको बताते है इस कार में क्या कुछ खास है।

**स्कॉर्पियो क्लासिक एस5**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आगामी स्कॉर्पियो क्लासिक एस5 वेरिएंट तीन सीटिंग कॉनफ़िगरेशन के साथ आएगी, बेंच के साथ 7-सीटर, कैप्टन की सीट के साथ 7-सीटर और बेंच के साथ 9-सीटर है। जहां वेरिएंट के आधार पर तीन में से केवल दो ऑप्शन उपलब्ध है। लेकिन रिपोर्ट्स की माने तो कंपनी क्लासिक S11 में अब 9-सीटर का ऑप्शन दे सकती है।

**इंजन**

Scorpio Classic S5वेरिएंट में 2.2-लीटर टर्बो-डीजल इंजन आ सकता है जो 132 hp और 300 nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह 6 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा। यह एक रियर-व्हील-ड्राइव होगा। अभी के समय में महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक की कीमत 12.64 लाख रुपये से 16.14 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली)है। वहीं आने वाले Scorpio Classic S5 वेरिएंट की कीमत 14 लाख रुपये के बीच हो सकती है। जो दोनों के बीच के अंतर को भर देगा।

**Mahindra Scorpio-N SUV**

हाल के दिनों में महिंद्रा ने पिछले साल अपनी Mahindra Scorpio-N SUVलॉन्च की थी, वाहन निर्माता कंपनी ने हाल के दिनों में अपनी कई एसयूवी की कीमत में 1 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी की है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन के कई मॉडलों की कीमतों में 15,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं इसके Z8 4WD वेरिएंट की कीमत में सबसे ज्यादा 1.01 लाख रुपये की बढ़ोतरी हुई है और इसकी कीमत 20.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

## ब्रीफ न्यूज

### देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया ये इलेक्ट्रिक स्कूटर, इसे खरीदने टूट पड़े लोग

**नई दिल्ली.** भारतीय बाजार में अब इलेक्ट्रिक व्हीकल ना सिर्फ लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रहे हैं, बल्कि इनकी सेल्स के आंकड़ों में भी रिकॉर्ड ग्रोथ देखने को मिल रही है। पिछले महीने 30 अक्टूबर तक 68,234 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की सेल्स हुई। इस तरह इसमें 29% की रिकॉर्ड मंथली ग्रोथ देखने को मिली। इस ग्रोथ से ये बात साफ है कि अब लोगों को भरोसा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ बढ़ रहा है। पिछले 2-3 महीनों के दौरान इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में आग लगने के मामले भी सामने नहीं आए हैं, जिससे ये भरोस मजबूत हो रहा है। पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक को 53% की मंथली ग्रोथ मिली।

**ओला इलेक्ट्रिक ने 15095 यूनिट बेचीं**

ओला इलेक्ट्रिक अक्टूबर 2022 में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बेचने वाली कंपनी बनी। उसने बीते महीने 53% की मंथली ग्रोथ के साथ 15,095 यूनिट बेचीं। लिस्ट में दूसरे नबंर पर ओकिनावा रही। इसने 38% की मंथली ग्रोथ के साथ 11,754 यूनिट सेल कीं। तीसरे नंबर पर एम्पीयर रही। इसने 36% की मंथली ग्रोथ के साथ 8812 यूनिट बेचीं। टीवीएस मोटर्स को 31% और बजाज ऑटो को 26% की मंथली ग्रोथ मिली। जबकि एथर एनर्जी को 11% की मंथली ग्रोथ मिली।

**सितंबर में भी ओला इलेक्ट्रिक रही नंबर-1**

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की 52,957 यूनिट्स बिकीं। जबकि अगस्त में ये आंकड़ा 50,474 यूनिट्स का था। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में ग्रोथ दिख रही है। सिंतबर 2022 में ओला इलेक्ट्रिक ने 9,616 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। कंपनी नवरात्रि-दशहरा ऑफर के चलते अपने ई-स्कूटर पर 10 हजार रुपए का डिस्काउंट दे रही थी। जिसके चलते इसे फायदा मिला। अक्टूबर में भी फेस्टिवल ऑफर के चलते ओला इलेक्ट्रिक को फायदा मिला।

**ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर के फीचर्स**

3 सेकेंड में 0 से 40 km की स्पीडः ओला ने S1 स्कूटर में 8.5 किलोवॉट पीक पावर जनरेट करने वाली मोटर लगाई गई है। इस मोटर को 3.9 किलोवॉट कैपेसिटी वाली बैटरी से जोड़ा गया है। ये 0 से 40 किलोमीटर की स्पीड सिर्फ 3 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी टॉप स्पीड 115 किमी प्रति घंटा है। सिंगल चार्ज पर ये 181 किमी तक की रेंज देता है। इसमें राइडिंग के लिए नॉर्मेल, स्पोर्ट और हाइपर मोड मिलते हैं।

**6 घंटे में फुल चार्जः** स्कूटर के साथ कंपनी 750 वॉट का पोर्टेबल चार्जर देगी। इसकी मदद से बैटरी 6 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। वहीं, ओला के हाइपरचार्जर स्टेशन पर 18 मिनट में 50% बैटरी चार्ज करा सकते हैं।

**रिवर्स मोड भी मिलेगाः** स्कूटर में रिवर्स मोड भी मिलेगा। इसकी मदद से गाड़ी को पार्किंग में लगाने में आसानी होगी। यदि किसी चढ़ाई वाली जगह पर स्कूटर को

## 2023 Toyota Innova Crysta diesel भारतीय बाजार में जल्द देगी दस्तक

2023 Toyota Innova Crysta को चार वेरिएंट्स G GX VX और ZX में पेश करेगी। इस कार का डिजाइन काफी दमदार है। इसके फ्रंट-एंड को अपडेट किया गया है। सामने वाला बंपर बिल्कुल नया है जिसमें थोड़ा नया शेप दिया जा सकता है।

**नई दिल्ली**। Toyota Kirlsokar Motor ने पिछले साल कुछ समय के लिए इनोवा क्रिस्टा को बंद कर दिया था, ठीक नई-जनरेशन इनोवा हाई क्रॉस के लॉन्च के आसपास। हालांकि वाहन निर्माता कंपनी ने पुष्टि की थी कि क्रिस्टा को हाई क्रॉस के साथ बेचा जाना जारी रहेगा। 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा ने बाजार में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर दी है, आने वाले दिनों में लॉन्च होने की उम्मीद है। एमपीवी में पहले पेश किए गए मॉडल की तुलना में काफी बदलाव किया गया है।

**2023 Toyota Innova Crysta diesel**

2023 इनोवा क्रिस्टा को केवल डीजल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जिसमें 2.7-लीटर पेट्रोल इंजन अब बंद कर दिया गया है। अपडेटेड इनोवा क्रिस्टा केवल 2.4-लीटर चार-सिलेंडर डीजल इंजन के साथ आएगी। इस इंजन को पहले 150 पीएस/360 एनएम पर रेट किया गया था। इसके इंजन को 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, इंजन को आगामी भारत स्टेज 6 (बीएस6) चरण 2 आरडीई मानदंडों के अनुरूप भी बनाया जाएगा।

**2023 Toyota Innova Crysta**

**डिजाइन**

इस कार का डिजाइन काफी दमदार है। इसके फ्रंट-एंड को अपडेट किया गया है। सामने वाला बंपर बिल्कुल नया है जिसमें थोड़ा नया शेप दिया गया है। फॉग लैंप और टर्न इंडिकेटर को भी नया रूप दिया गया है, दोनों के चारों ओर एक नई एल-आकार की क्रोम पट्टी है। डुअल-टोन अलॉय व्हील सहित साइड प्रोफाइल में कोई बदलाव नहीं किया गया है।2023 इनोवा क्रिस्टा एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो के साथ 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एम्बिएंट लाइटिंग, एयरबैग, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर,हिल स्टार्ट असिस्ट जैसे शानदार फीचर्स है।

**2023 Toyota Innova Crysta कीमत**

2023 Toyota Innova Crysta को चार वेरिएंट्स G, GX, VX और ZX में पेश करेगी। कंपनी ने कार के लिए 50,000 रुपये में बुकिंग लेना शुरू कर दिया है। डीजल इनोवा क्रिस्टा की कीमत लगभग 19 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है।

## इलेक्ट्रिक गाड़ी चलाते हैं तो समझे बैटरी खराब होने के ये संकेत

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। आप इन संकेतों को समझकर अपनी इलेक्ट्रिक कार को खराब से होने से पहले ही बचा सकते हैं।

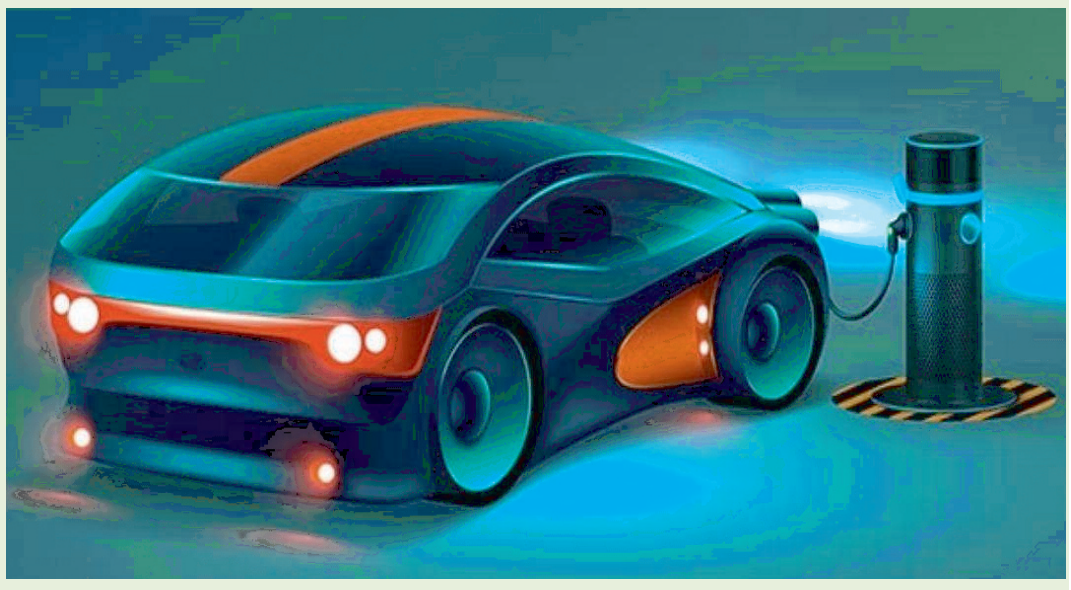

**नईदिल्ली**। भारतीय बाजार में दिन पर दिन पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत ने लोगों की कमर तोड़ दी है। जिसके कारण इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड तेजी से बढ़ते जा रही है। इसके लिए सरकार भी अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है ताकि अधिक से अधिक लोग ईवी को लेकर जागरूक हो सके। लेकिन आज भी ईवी से जुड़ी कई बड़ी समस्याएं है जिसमें से एक सबसे बड़ी समस्या चार्जिंग स्टेशन।

जिस तरह से हर जगह आपको पेट्रोल पंप मिलेंगे उसी तरीके से ईवी चार्जिंग स्टेशनों की कमी है। जिस पर कई बड़े वाहन निर्माता कंपनियां काम कर रही है। अगर आपके पास इलेक्ट्रिक कार हैं तो आपको इन बातों का जानना काफी जरूरी है। कार की बैटरी कब खराब होगी या फिर खराब होने से पहले कैसे संकेत देती है।

**कार की बैटरी कितने साल चलेगी**

आपको बता दे लगभग सभी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी कार की बैटरी पैक पर लगभग 8 साल तक की वारंटी देती है। वहीं, अगर आप इसे बेहतर तरीके से इस्तेमाल करेंगे तो इसे 10 साल तक भी चला सकते हैं। दो पहिया वाहन की बैटरी पैक लगभग 3 से 5 साल तक की होती है।

**बैटरी खराब तो नहीं हो रही है**

अगर आपको ये पता लगाना है कि कार या स्कूटर की बैटरी खराब तो नहीं हो रही है तो इसका पता लगाना काफी आसान है। ये अचानक से खराब नहीं होती है। खराब होने से पहले ये कई संकेत देती है। जिसके बाद बैटरी धीरे- धीरे खराब होती है। तब आपके वाहन की रेंज कम होने लगेगी और आपको अपने वाहन को बार-बार चार्ज करना होगा। रेंज के कारण आप आराम से पता लगा सकते हैं कि बैटरी खराब है या नहीं।

**कितनी होती है इसकी लागत**

ईवी की बैटरी पैक काफी अधिक महंगी होती है। अगर वो वारंटी के अंदर नहीं है और डैमेज है, आपको इसपर कई हजारों का खर्च करना पड़ सकता है। कार के बैटरी पैक की बात करें तो इसकी कीमत लाखों तक की होती है, वहीं स्कूटर दो पहिया वाहन में इसकी कीमत हजारों तक की होती है।

**क्या होता है खराब होने का कारण**

बैटरी का समय से पहले खराब होने के पीछे का कारण ये है कि आप कैसे अपने वाहन को चार्ज कर रहे हैं। फास्ट चार्जर के अधिक इस्तेमाल से बैटरी की लाइफ खराब हो जाती हौ। वहीं बैटरी को पूरी तरह से डिस्चार्ज करने या फिर हर बार 100 फीसदी चार्ज करने से भी बैटरी की लाइफ कम हो जाती है। ईवी बैटरी को 15 परसेंट तक पहुंचने पर चार्ज किया जाना चाहिए। जब कि इसे 80 से 85 प्रतिशत तक चार्ज करना चहिए। बैटरी पर मौसम का भी काफी प्रभाव पड़ता है। इसके कारण भी बैटरी समय से पहले खराब हो सकती है।

## तिरछी क्यों डिजाइन की जाती है कार की विंडस्क्रीन, जानिए क्या है इसकी अहमियत

**नई दिल्ली**। अगर आप कार और बस दोनों से ट्रैवल करते हैं तो आपने इसे जरुर गौर किया होगा कि कारो की विंडस्क्रीन तिरछी होती है और बसों की नहीं। क्या आप जानते हैं इसके पीछे का कारण । अगर आप सोच रहे होंगे कि कार ही नहीं बस की भी तो स्पीड अधिक होती है। इसके बावजूद भी बस की विंडशील्ड तिरछी क्यों नहीं होती है, चलिए आपको इसके पीछे के कारण से रूबरू कराते हैं।

दरअसल बस के मुकाबले कारों की aerodynamic काफी अधिक होती है। आपको आसान शब्दों में बताएं तो तिरछी विंडशील्ड होने की वजह से यह हवा को बहुत ही आसानी से पास करने में अधिक सक्षम होती है। इसके कारण कार की स्पीड में कोई परेशानी नहीं आती है। इसको इसलिए बनाया जाता है ताकि इस पर कम दबाव हो और यह सुचारू रूप से चलने के बाद ये अधिक माइलेज दे सके। हालांकि बस को बनाते समय एयरोडायनेमिक्स के ऊपर अधिक ध्यान नहीं रखा जाता है।

आपको बता दे आमतौर पर गाड़ियों में दो तरह के विंडशील्ड का इस्तेमाल किया जाता है। बस और कार के आगे लगे शीशे तिरछे और फ्लैट हो सकते हैं। लेकिन उनकी क्वालिटी में कमी आने पर कई बार ड्राइवर को गाड़ी चलाने में परेशानी हो सकती है। ये धूल वगैरा को रोकने में काम आता है। इसको साफ रखना काफी जरुरी होता है। खासकर सर्दी के समय में इसे वाइपर से साफ करें। आमतौर पर विंडशील्ड लैमिनेटेड और टेम्पर्ड दो तरह के होते हैं।

दोनों विंडशील्ड में क्या अंतर होता है टेम्पर्ड के मुकाबले लैमिनेटेड विंडशील्ड को अधिक बेहतर माना जाता है। इसे बनाने के लिए दो शीशे का इस्तेमाल किया जाता है। बीच में प्लास्टिक होने के कारण दुर्घटना होने पर यह टूट कर बिखरते नहीं हैं। वहीं जो साधारण शीशे होते हैं वो टूट कर बिखर जाते हैं। दूसरी तरफ लैमिनेटेड को टूटने पर आप रिपेयरिंग भी करवा सकते हैं।

## संपादक की कलम से

# विकास के नए भूखंड

अधोसंरचना निर्माण के अगले दौर में हिमाचल की पृष्ठभूमि को भविष्य के जैसे सपनों की जरूरत थी और इस लिहाज से सुक्खू सरकार की प्राथमिकताएं देखी और समझी जाएंगी। काफी कुछ कहा जाता रहा है, लेकिन जब से प्रदेश की दिशाओं का मिलन मुकम्मल अधोसंरचना व कनेक्टिविटी के सेतु चुन रहा है, तब से राज्य के संतुलन में भौगोलिक अपेक्षाएं देखी जाने लगी हैं। परवाणू-शिमला और कीरतपुर-मनाली जैसी फोरलेन के बाद अब जिक्र शिमला-मटौर और पठानकोट-मंडी जैसी फोरलेन परियोजनाओं का होने लगा है, तो यह आबादी के आधार पर प्रदेश का सबसे अहम घनत्व है और इसके भीतर से लांघती ऐसी महत्त्वाकांक्षा का महत्त्व किसी भी सरकार की विश्वसनीयता बढ़ा देता है। सुखद पहलू यह कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ऐतिहासिक विरासत के दरवाजे खोलकर खुद में कांगड़ा को समाहित करते संदर्भ ओढ़ लेते हैं, जबकि इससे पूर्व नेताओं ने सियासत के अंकगणित में कांगड़ा को टुकड़ों में विभाजित करके न केवल क्षत्रप तैयार किए, बल्कि केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे संस्थान की अहमियत को भी टुकड़ों में विभाजित कर दिया। बहरहाल दो फोरलेन परियोजनाओं की माटी पर ऐसे सपने श्रृंगार करने लगे हैं, जो शिमला की दूरी को सीमित तथा पर्यटन की जरूरत को हल करने का संकल्प ले रहे हैं। ऐसे में यह एक अवसर की तरह मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व को परिभाषित कर सकता है। प्रदेश में कमोबेश हर मुख्यमंत्री ने अपने नाम के साथ विकास के खूबसूरत अर्थ जोड़े हैं। यहां पानी से लेकर सडक़ वाले मुख्यमंत्री रहे हैं, तो क्या विकास की अगली उड़ान पर सुक्खू भविष्य की अधोसंरचना के रचयिता के रूप में सिद्धहस्त होंगे। कांगड़ा में पर्यटन की राजधानी खोजते उनके संकल्प अगर कनेक्टिविटी को भी सुदृढ़ कर पाए, तो आधे से अधिक काम पूरा हो जाएगा। इसी दृष्टि से कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार उनके इरादों की बुलंदी को माप रहा है। फोरलेन व हवाई अड्डा विस्तार के साथ-साथ रानीताल-बिलासपुर रेल लाइन की परिकल्पना सारे परिदृश्य की आर्थिकी को संबल देगी। सौ किलोमीटर लंबी प्रस्तावित रेल लाइन वास्तव में ऐसी परियोजना साबित होगी, जो हिमाचल के दिल के करीब रहेगी। अब तक हिमाचल अपने रेल विस्तार को नंगल-तलवाड़ा के संपर्क के साथ देखता रहा है या लेह रेल के ख्वाबों से खुद को जोड़ता रहा है। पाठकों को याद होगा कि हमने शुरू से ऊना ट्रेन का रुख ज्वालाजी की ओर मोडने तथा बाद में इसे बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी की ओर बढ़ाने की बार-बार सलाह दी थी। दरअसल हिमाचल में रेल विस्तार की सारी संभावनाएं या तो सेब ढुलाई व सीमेंट उद्योग या धार्मिक पर्यटन से जुड़ती हैं। रानीताल से बिलासपुर तथा बाद में अंब-अंदौरा से ज्वालाजी मंदिर रेल लाइन से जुड़ जाता है, तो हिमाचल के प्रमुख धार्मिक स्थलों की क्षमता में निखार आएगा। रेलवे विस्तार को आर्थिक दृष्टि से देखें तो रानीताल-बिलासपुर का प्रस्ताव पहली बार हिमाचल के दिल को छू रहा है। हम पुनः दोहरा दें और यह हमारा शुरू से मानना रहा है कि हिमाचल की सडक़ों का केंद्र बिंदु हमीरपुर, रेल विस्तार के लिए ऊना से ज्वालाजी का जुडना और हवाई सेवाओं का अहम पड़ाव कांगड़ा एयरपोर्ट साबित होगा। इसी के साथ जल परिवहन की दृष्टि से कोल बांध, गोविंद सागर तथा पौंग डैम की क्षमता को देखा जाए, तो कई अनछुए आकर्षण तथा आर्थिक संभावनाएं सामने आएंगी। हिमाचल में विकास के वास्तविक अर्थ कनेक्टिविटी के अलावा सार्वजनिक सेवाओं में गुणवत्ता लाने तथा जनापेक्षाओं के समुद्र में नई किश्तियां चलाने के रहेंगे। सरकारी ढांचे की उपयोगिता बढ़ाने के लिए यह अहम कदम होगा कि अनावश्यक कार्यालय बंद किए जाएं और जब सुक्खू सरकार ऐसा कर पाएगी, तो इसका गुणात्मक प्रभाव भी देखा जाएगा।

# प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सुझावों की कमी

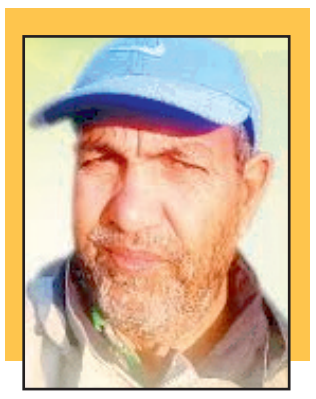

योगेंद्र योगी

**विपक्षी दलों के नेताओं ने भ्रष्टाचार के कलंक को मिटाने के बजाय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र से यह साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार के समूल खात्मे से किसी का सरोकार नहीं है।**

सुप्रीम कोर्ट के बजाय प्रधानमंत्री को पत्र लिखना सिर्फ सहानुभूति बटोरना ही कहा जाएगा। इसे सिर्फ चुनावी स्टंट माना जाएगा। आश्चर्य की बात यह है कि एक तरफ विपक्ष भाजपा से देश को खतरे में बता रहा है, किन्तु इस खतरे से बचाने के लिए एकजुट नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस और वाम दलों का प्रधानमंत्री को लिखे पत्र से दूर रहने से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगामी चुनाव में विपक्षी एकता के मंसूबे कामयाब नहीं होंगे। वैसे भी कांग्रेस को शामिल किए बगैर विपक्षी दलों की एकता की बात बेमानी रहेगी। कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जिसका देश के हर राज्य में संगठन है। इसके विपरीत अन्य दल सिर्फ एक या दो राज्यों तक सिमटे हुए हैं। गठबंधन की पहली शर्त ही संयुक्त उम्मीदवार होती है। यह शर्त कांग्रेस के बगैर पूरी होना संभव नहीं है। कोई भी क्षेत्रीय दल यह कभी नहीं चाहेगा कि जहां उसका प्रभाव है, वहां कांग्रेस से सीटों को लेकर समझौता किया जाए। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों की हालत न निगलने वाली न उगलने वाली जैसी है'

विपक्षी दलों के नेताओं ने भ्रष्टाचार के कलंक को मिटाने के बजाय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र से यह साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार के समूल खात्मे से किसी का सरोकार नहीं है। देश कैसे भ्रष्टाचार से मुक्त हो, इसकी विपक्षी दलों को चिंता नहीं है। इसका सुझाव या वैकल्पिक समाधान पत्र में नहीं सुझाया गया। इसके साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता की बात कल्पना रह गई है। केंद्रीय जांच एजेंसियों के विरुद्ध चलाई विपक्षी मुहिम से कांग्रेस और वामदलों ने कन्नी काट ली। कांग्रेस की नाराजगी की वजह यह है कि जब सोनिया गांधी और उनके दामाद राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कार्रवाई की गई तब एक भी विपक्षी पार्टी साथ नहीं आई। किसी विपक्षी दल के नेता ने इसे गलत बताकर विरोध जाहिर नहीं किया।

विपक्षी नेताओं ने पत्र में राज्यपाल और राज्य सरकारों के बीच हो रहे विवादों का भी उल्लेख किया है। पत्र में कहा गया, 'देश भर में राज्यपालों के कार्यालय संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं और अक्सर राज्य के शासन में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। वे जानबूझकर लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई राज्य सरकारों को कमजोर कर रहे हैं। चाहे वो तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब, तेलंगाना के राज्यपाल हों या दिल्ली के उपराज्यपाल हों। राज्यपाल केंद्र और राज्यों के बीच दरार की वजह बन रहे हैं।' विपक्षी दलों का यह पत्र दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ शराब घोटाले में सीबीआई द्वारा की गई कार्रवाई के संदर्भ में लिखा गया है। इस पत्र के सूत्रधार तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव रहे हैं। राव की बेटी के. कविता का नाम भी शराब घोटाले में है। ईडी कविता से पूछताछ के लिए सम्मन जारी कर चुकी है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री राव सरकारी खजाने से साढ़ पांच करोड़ का सोना तिरुपति बालाजी के मंदिर में चढ़ाने को लेकर विवादों में रहे हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि आप सहित विपक्षी दल सीबीआई की कार्रवाई को गलत ठहरा रहे हैं, किन्तु अधीनस्थ अदालत ने इस मामले में सिसोदिया को जमानत देने से इंकार कर दिया। विपक्षी दलों का आरोप है कि दोनों जांच एजेंसियां गैर भाजपा दलों की सरकारों के खिलाफ छापे की कार्रवाई कर रही हैं। ईडी और सीबीआई ने क्षेत्रीय दलों के नेताओं और मंत्रियों के खिलाफ वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई की है। इनमें कांग्रेस, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति सहित अन्य पार्टियां शामिल हैं। इनमें से कई सालों से जेल में बंद लालू यादव अभी तक चारा घोटाले में अपनी जमानत तक नहीं करवा पाए हैं। यादव पर रेल मंत्री रहते किसानों की जमीन के एवज में रेलवे में नौकरी दिलाने के मामले में सीबीआई अलग से कार्रवाई कर रही है। भ्रष्टाचार के ऐसे पारदर्शी मामलों में विपक्षी दलों के नेता चुप्पी साध जाते हैं।

ईडी और सीबीआई को भी इस बात की चिंता रहती है कि बगैर पर्याप्त सबूत के छापे की कार्रवाई के बाद अदालत ने प्रतिकूल टिप्पणी कर दी या तत्काल जमानत मंजूर कर ली तो केंद्र की भाजपा सरकार पर उंगलियां उठने लगेंगी। ऐसे में विपक्षी दलों के बदनियती से की गई कार्रवाई के आरोपों को बल मिलेगा। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक स्तंभ अदालत हैं। विपक्षी दलों को चाहिए था कि प्रधानमंत्री के बजाय ईडी और सीबीआई की कार्रवाई के मामलों को संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते। इसी तरह राज्यपालों के संविधान से इतर हस्तक्षेप करने के मुद्दे को भी अदालत से तय कराया जा सकता है। यदि मामला सुप्रीम कोर्ट जाता तो कम से किसी तरह के पक्षपात की उम्मीद नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के नेताओं का यह भी आरोप है कि भाजपा सरकार की वजह से देश की आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में है। ऐसे में जब मुद्दा संविधान निहित अधिकारों को कानूनी तरीके से बाधित करने का है तो निश्चित तौर पर सुप्रीम कोर्ट इस मामले में गंभीरता से पेश आता। इसके बावजूद अदालत में न जाकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखना चोर की दाढ़ी में तिनके वाली कहावत को चरितार्थ करता है।

सुप्रीम कोर्ट के बजाय प्रधानमंत्री को पत्र लिखना सिर्फ सहानुभूति बटोरना ही कहा जाएगा। इसे सिर्फ चुनावी स्टंट माना जाएगा। आश्चर्य की बात यह है कि एक तरफ विपक्ष भाजपा से देश को खतरे में बता रहा है, किन्तु इस खतरे से बचाने के लिए एकजुट नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस और वाम दलों का प्रधानमंत्री को लिखे पत्र से दूर रहने से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगामी चुनाव में विपक्षी एकता के मंसूबे कामयाब नहीं होंगे। वैसे भी कांग्रेस को शामिल किए बगैर विपक्षी दलों की एकता की बात बेमानी रहेगी। कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जिसका देश के हर राज्य में संगठन है। इसके विपरीत अन्य दल सिर्फ एक या दो राज्यों तक सिमटे हुए हैं। गठबंधन की पहली शर्त ही संयुक्त उम्मीदवार होती है। यह शर्त कांग्रेस के बगैर पूरी होना संभव नहीं है। कोई भी क्षेत्रीय दल यह कभी नहीं चाहेगा कि जहां उसका प्रभाव है, वहां कांग्रेस से सीटों को लेकर समझौता किया जाए। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों की हालत न निगलने वाली न उगलने वाली जैसी है। भाजपा विपक्षी दलों की इसी ऊहापोह की हालत का राजनीतिक फायदा उठा रही है। विपक्षी दलों की मौजूदा हालत से जाहिर है कि मुद्दा चाहे भ्रष्टाचार का हो या आगामी चुनाव में भाजपा से निपटने का, निहित स्वार्थों के चलते इनमें चुनावी गठबंधन संभव नहीं है। जब तक विपक्षी दलों में एकता नहीं होगी, भाजपा की सत्ता को किसी तरह का कोई खतरा नहीं है। अगर विपक्षी दल, कांग्रेस सहित, एक मंच पर आते हैं तो भाजपा और मोदी सरकार को हिलाया जा सकता है। क्षेत्रीय पार्टियों को यह भी समझ लेना चाहिए कि कांग्रेस के बिना विपक्ष का कोई महत्त्व नहीं है। कांग्रेस विहीन विपक्ष लंगड़ा विपक्ष ही माना जाएगा। कांग्रेस को भी क्षेत्रीय दलों को मनाने की पहल करनी चाहिए।

## 12 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1968 – मार्टिन लूथर किंग की हत्या। 1983 – ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी के नेता बॉब हॉक प्रधानमंत्री बने। 1997 – भारत तथा तेरह अन्य देशों ने इंडियन ओशन रिम एसोसियेशन के गठन की घोषणा की। 1999 – आज़ाद देश के राष्ट्रकुल के कार्यकारी सचिव बोरिस बेरनोवस्की की बर्खास्तगी, फ़िल्म अभिनेता सुनील दत्त ने कोलंबो से अपने 17 सदस्यीय दल के साथ दक्षिण एशिया की 13 हज़ार किलोमीटर लम्बी सद्भावना यात्रा का शुभारम्भ किया। 2001 – कोलंबिया के राष्ट्रपति परुत्राना चार दिवसीय यात्रा पर भारत आए, मक्का में ईद के दौरान भगदड़ में 36 यात्री मरे। 2002 – राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन सम्पन्न। 2003 – अलकायदा का शीर्ष आतंकवादी मुस्तफ़ा अहमद अल-हवसावी रावलपिंडी में गिरफ़्तार। 2006 – पाकिस्तान में अलकायदा और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में 100 लोग मारे गये। 2007 – अर्जेन्टीना ने भारत द्वारा अदालती कार्रवाही के लिए क्वात्रोची के प्रत्यर्पण दस्तावेज स्वीकृत किये। 2008 – महाराष्ट्र के राज्यपाल एस.एम. कृष्णा ने अपने पद से इस्तीफा दिया। भारत ने समुद्र से ज़मीन पर हमला करने वाले 'ब्रह्मोस' मिसाइल का सफल परीक्षण किया। 2009 – भारतीय उद्योगपति विजय माल्या ने 18 लाख रुपये में बापू की विरासत को ख़रीदा। इफ्को (इंडियन फार्मा फर्टिलाइजर कोउपरेटिव लिमिटेड) एक करोड़ टन उर्वरक की वार्षिक बिक्री करने वाली विश्व की पहली कम्पनी बनी। बिजनेस मैगज़ीन फोर्ब्स ने 48 परोपकारी दिग्गजों की लिस्ट में टेलिकॉम किंग सुनील मित्तल और प्रवासी व्यापारी अनिल अग्रवाल समेत चार भारतीयों के नाम शामिल किये। 2018 – द शेप ऑफ़ वाटर ने 90वें अकादमी पुरस्कार पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित चार ऑस्कर जीते। 5 मार्च को जन्मे व्यक्ति 1965 – परगट सिंह – भारतीय हॉकी के बेहतरीन परिरक्षकों (डिफेंडर) में से एक रहे हैं। 1961 – कपिल पाटिल – जानेमाने भारतीय राजनीतिज्ञ हैं, जिनका सम्बंध भारतीय जनता पार्टी से है। 1959 – शिवराज सिंह चौहान – 'भारतीय जनता पार्टी' के वरिष्ठ नेता एवं 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के समर्पित कार्यकर्ता। 1913 – गंगूबाई हंगल – 'भारतीय शास्त्रीय संगीत' की प्रसिद्ध गायिका। 1916 – बीजू पटनायक – प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता तथा उड़ीसा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। 1925 – वसंत साठे, पाँचवीं, छठी, सातवीं, आठवीं और नौवीं लोकसभा के सदस्य। 1934 – सोम ठाकुर – मुक्तक, ब्रजभाषा के छंद और बेमिसाल लोक गीतों के वरिष्ठ एवं लोकप्रिय रचनाकार। 5 मार्च को हुए निधन 2010 – जी.पी. बिड़ला – भारत के प्रसिद्ध उद्यमियों में से एक थे।

# खुदी को कर बुलंद इतना कि'

राहुल गांधी का भाषण पहले केंब्रिज विश्वविद्यालय में हुआ, फिर ब्रिटिश संसद में हुआ और फिर लंदन के चेथम हाउस में हुआ। इन तीनों संस्थाओं में मैं पिछले 50-55 साल से जाता रहा हूं। मुझे आश्चर्य हुआ कि हमारे नेताओं में एक नेता इतना योग्य निकला कि इन विश्व प्रसिद्ध संस्थाओं में भाषण देने के लिए उसे बुलाया गया। मेरा सीना गर्व से फूल गया। लेकिन सच यह है कि इन संस्थाओं के सभा-भवनों को कोई भी किराए पर बुक कर सकता है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और सांसद हैं, इस नाते सरकार की आलोचना करने का उन्हें पूरा अधिकार है, लेकिन यह काम बड़ी सावधानी से किया जाना चाहिए। ऐसी अतिवादी बातें नहीं कही जानी चाहिए जिनसे देश की छवि बिगड़ती हो, हालांकि भाजपा के प्रवक्ता जरूरत से ज्यादा परेशान मालूम पड़ते हैं। उन्हें क्या यह पता नहीं है कि विदेशी लोग राहुल की बातों को उतना महत्व भी नहीं देते, जितना हमारी जनता के कुछ लोग दे देते हैं। राहुल की इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है। यदि भाजपा पर मोदी के शिकंजे की तरफ वे इशारा कर रहे हैं तो वह तो ठीक है लेकिन क्या नेहरु, इंदिरा और सोनिया-काल में ऐसा ही नहीं था। और अब तो कांग्रेस बिल्कुल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है।

देश की सभी पार्टियां अब कांग्रेस के ही ढर्रे पर चल पड़ी हैं। इसके बावजूद देश में लोकतंत्र जिंदा है, इस सत्य का सबूत यह तथ्य है कि हर पांच-दस साल में इधर हमारी सरकारें उलटती-पलटती रही हैं। यदि भारत में तानाशाही होती तो राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और छोटे-मोटे नेताओं के कई अनर्गल बयानों को क्या हमारे अखबार और टीवी चैनल प्रसारित कर सकते थे? लोकतंत्र की हत्या तो इंदिराजी के आपातकाल में ही हुई थी। क्या वैसी हालत आज भारत में है? राहुल का अमेरिका और यूरोप के देशों से यह कहना कि वे भारत के लोकतंत्र को बचाएं, अपनी हैसियत को हास्यास्पद बनाना है। पता नहीं, हर भाषण के पहले राहुल को कौन अपरिपक्व सलाहकार गुमराह कर देता है? कांग्रेस खत्म हो रही है, कुछ भाजपाइयों का यह कहना अनुचित है। कांग्रेस का मजबूत होना भारत के लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन राहुल का यह कहना कि संघ सांप्रदायिक और तानाशाही संगठन है, यह भी गलत है। संघ-प्रमुख मोहन भागवत ने इधर मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों और मौलानाओं को मुख्यधारा में लाने का जैसा प्रयत्न किया है, किसी पार्टी के नेता ने भी नहीं किया है। यह ठीक है कि संघ में आंतरिक चुनाव नहीं होते, लेकिन राहुल बताए कि किस पार्टी संगठन में आंतरिक चुनाव होते हैं? जिन संगठनों को आम चुनाव नहीं लडने हैं, उनके अंदर चुनाव अनिवार्य क्यों हों? क्या संघ कोई राजनीतिक पार्टी है? राहुल ने कहा कि संसद में उन्हें बोलने की अनुमति नहीं मिलती। कुछ हद तक यह ठीक है, लेकिन आपके बोलने में कुछ दम तो होना चाहिए। मुझे अल्लामा इकबाल का एक शे'र याद आ रहा है : 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तदबीर से पहले/खुदा बंदे से खुद पूछे, बता तेरी रज़ा क्या है।'

*-डा. वेद प्रताप वैदिक*

# 'कैलेंडर' हो गया 'पप्पू पेजर'

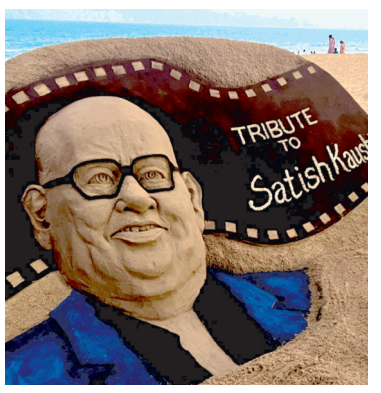


वह हंसमुख था, गुदगुदाता था। चुटकुले भी सुनाता था। मिलनसार और सामाजिक भी था वह। कमाल का अभिनेता था और न जाने कितने किरदार जिए थे उसने। चूंकि संस्कार और प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और पूना फिल्म-टीवी इंस्टीट्यूट से पाए थे, लिहाजा उसकी सांसों में एक फनकार, हंसी के स्वाभाविक तार छेड़ता कॉमेडियन और एक रचनात्मक, सशक्त निर्देशक हर पल जीवंत था। उसे अपने चेहरे और कुदरती बनावट पर आत्मविश्वास के साथ गर्व भी था। उसका संबल था कि कोई भी फिल्म निर्देशक उसे खारिज नहीं कर सकता। वह दिल्ली करोल बाग के नाईवाला इलाके का नौजवान था, जिसने मुंबई में अभिनेता बनने का सपना संजोया था और उसके यथार्थ से भली-भांति परिचित था। पिताजी एक संघर्षशील सेल्समैन थे और परिवार निम्न मध्यवर्गीय था। उसके बावजूद वह 800 रुपए लेकर मुंबई चला गया। फुटपाथ पर या पार्कों में भूखा न सोना पड़े, लिहाजा एक कपड़ा मिल में 400 रुपए की नौकरी भी कर ली थी। फिल्मों में शेखर कपूर, श्याम बेनेगल और कुंदन शाह सरीखे क्लासिक निर्देशकों के जरिए पदार्पण करने का मौका मिला, तो वह सामान्य-सा चेहरा सतीश कौशिक बन गया। इसी होली पर हमने उन्हें पुराने दोस्तों के साथ उत्सव मनाते, आनंदित होते, रंग-गुलाल खेलते और कुछ थिरकते हुए भी देखा था। एक दिन पहले मुंबई में जावेद अख्तर-शबाना आज़मी के घर भी उन्होंने होली खेली थी। वह बेहद सकारात्मक और आशावान इनसान थे-दोस्तों के दोस्त। वह अतल गहराइयों तक गंभीर थे, लेकिन ग़मगीन हमने कभी नहीं देखा। उन्हें आभास तक नहीं था कि मौत खामोश कदमों से उनके करीब खिसकती आ रही थी।

होली का त्योहार रंगों और हंसी से सराबोर था, लेकिन रात जिंदगी में अंधेरा ले आई। अचानक कुछ ही मिनटों में वह 'पत्थर' हो गए, एक निष्प्राण मूर्ति। अस्पताल के डॉक्टरों तक भी पहुंच नहीं पाए। आज सतीश कौशिक हमारे दरमियान नहीं हैं। पूर्णविराम लगा गए। उनके अंतरंग मित्र-अनुपम खेर और अनिल कपूर-महसूस कर रहे हैं कि उनका एक हिस्सा खत्म हो गया। वे विकलांग हो गए। सतीश कौशिक तो पंचतत्त्व में विलीन होकर 'अतीत का इतिहास' बन गए, लेकिन हम अपनी सोच के मुताबिक, उन्हें दिवंगत नहीं मानते। अभी तो उनकी निर्देशित फिल्म 'कागज़' आनी है। कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में उन्हें बाबू जगजीवन राम की भूमिका में देखना है। वह पर्दे पर चलते-फिरते दिखाई देंगे, तो कौन मानेगा कि वह मृत हो चुके हैं! उन्होंने 'मिस्टर इंडिया' में 'कैलेंडर', 'दीवाना-मस्ताना' में 'पप्पू पेजर', 'बड़े मियां, छोटे मियां' में 'शराफत अली', 'अंदाज़' में 'पानीपूरी शर्मा' और 'हम आपके दिल में रहते हैं' में 'जर्मन' आदि के जो असंख्य किरदार निभाए थे, उन्हें कौन विस्मृत कर सकता है? सतीश ने 'रूप की रानी, चोरों का राजा' सरीखी भव्य, चकाचौंध, आडंबरीय, संगीतमय, अपराध फिल्म का निर्देशन किया था। बेशक निर्माता बोनी कपूर को करोड़ों का घाटा झेलना पड़ा, लेकिन फिल्मी दुनिया आज भी उनके निर्देशन का उल्लेख करती है। वह अपने दौर में ही किंवदंती बन गए थे। दक्षिण या किसी अन्य भाषा की फिल्में या अख़बार की कोई कतरन, जो उन्हें प्रेरित करती थी, उस पर उन्होंने रीमेक या मूल फिल्में बनाने के प्रयोग किए और कई बेहद सफल भी रहे। यह मौत भी एक सबक सिखा गई है। कोरोना वायरस महामारी के बाद उसके भयावह प्रभाव सामने आ रहे हैं। सडन डेथ के मामले बढ़ रहे हैं। क्लॉटिंग बन रही है, जिससे दिल के दौरे की संभावनाएं 70 फीसदी बढ़ गई हैं। यह डॉक्टरों के शोधात्मक निष्कर्ष हैं। तनाव बढ़ रहा है और कोरोना के बाद दिनचर्या बदल गई है। जो कसरत कर रहे हैं, नियमित सैर करते हैं, देखने में स्वस्थ लगते हैं, फिर भी उनका दिन अचानक रुक रहा है।

# सरकार की हर नीति का विरोध जायज नहीं

**प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अपने सहयोगियों के साथ सरकार की नीतियों और निर्णयों, जिनमें 900 संस्थाओं को बंद करने का आरोप है, पर सरकार को आड़े हाथों लेने की फिराक में हैं। भारतीय जनता पार्टी का जन आक्रोश पूरे प्रदेश में फैलेगा। जयराम ठाकुर को मौजूदा सरकार की जनहित नीतियों और फैसलों का स्वागत भी करना चाहिए'**

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद 11 दिसम्बर को कांग्रेस की सरकार बनी थी। 11 मार्च को इस सरकार को बने हुए तीन महीने हो जाएंगे। हिमाचल प्रदेश विधानसभा की 68 सीटों में से 40 पर कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की है और 25 पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जीत कर आए थे। तीन निर्दलीय हैं। कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त है और भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच 15 सीटों का अंतर है। 68 सीटों की विधानसभा में यह अंतर काफी है। केंद्र में भले ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार हो लेकिन हिमाचल में कांग्रेस को बहुमत मिला है। यह बात प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर को स्वीकार कर लेनी चाहिए। जय राम ठाकुर एक ईमानदार, अनुभवी नेता और प्रखर वक्ता हैं। अगर हम भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों की बात करें तो उनमें शांता कुमार व प्रेम कुमार धूमल शामिल हैं जिन्होंने हिमाचल की जनता के लिए कुछ अभूतपूर्व कार्य किए। उसी तरह कांग्रेस पार्टी में स्व. यशवंत सिंह परमार, स्व. वीरभद्र सिंह, स्व. ठाकुर राम लाल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। स्व. यशवंत सिंह परमार को हिमाचल निर्माता भी कहा जाता है। स्व. वीरभद्र सिंह भी काफी लोकप्रिय रहे। कांग्रेस पार्टी के सुखविंदर सिंह सुक्खू पहली बार मुख्यमंत्री बने हैं। भले ही वे छात्र राजनीति में रहे हों या कांग्रेस के जुझारू कार्यकर्ता रहे हों, मुख्यमंत्री का पद बहुत सारे समीकरणों और जिम्मेदारियों के साथ आता है। यह बात पहली बार मुख्यमंत्री बने भारतीय जनता पार्टी के जय राम ठाकुर के बारे में भी लागू थी। सरकार को सुचारू रूप से चले हुए अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने जनता से दस वादे किए थे जिनको उन्होंने गारंटियों का नाम दिया था। हिमाचल की जनता से किए गए वादे उन्हें अपने पांच साल के कार्यकाल में पूरे करने हैं। मौजूदा सरकार का यह आरोप है कि पिछली सरकार कांग्रेस पार्टी की नवनिर्वाचित सरकार पर भारी भरकम कर्ज छोड़ गई है। हिमाचल आर्थिक दृष्टि से कभी साधन सम्पन्न नहीं रहा। शांता कुमार की सरकार में हिमाचल पर नाम मात्र कर्ज था। हालांकि हिमाचल में पर्यटन और फलों से प्रदेश को साधन सम्पन्न बनाया जा सकता था। शनिवार 4 मार्च को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कुल्लू के परिधि गृह में पहले तो पार्टी के कार्यकर्ताओं से बातचीत की, फिर ढालपुर तक एक रैली के रूप में, मौजूदा सरकार के विरोध में नारेबाजी और आक्रोश, विरोध व्यक्त किया। कई बार उनके भाषण को सुन कर ऐसा लगता है कि केंद्रीय नेतृत्व ने तो हिमाचल में पार्टी की हार स्वीकार की है, लेकिन एक मंझे हुए नेता और हिमाचल के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री यह स्वीकार करने में असमर्थ हैं। उनका यह कहना कि सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी, पांच साल नहीं पूरे कर पाएगी, कहीं न कहीं उनके भीतर कुंठा की कहानी कहता है। भले ही भारतीय जनता पार्टी बहुत कम मार्जिन से हारी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में 15 सीटों का अंतर है, जो हिमाचल जैसे छोटे राज्य में बहुत है। जय राम ठाकुर बहुत ही मेहनती, कर्मठ नेता हैं, लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि हिमाचल की जनता ने उन्हें इस बार के चुनावों में अपना नेता नहीं चुना। वर्तमान सरकार पर 75000 करोड़ रुपए का कर्ज है।

यही नहीं, 4430 करोड़ रुपए कर्मचारियों के वेतन की राशि बकाया है। पेंशनधारी कर्मचारियों की देनदारी है जो लगभग 5500 करोड़ है। यह आंकड़े इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन सब की भरपाई या तो केंद्र सरकार से उधार लेकर की जाएगी या फिर हिमाचल में नए कर का अतिरिक्त बोझ डाल कर। भारतीय जनता पार्टी का यह आरोप है कि कांग्रेस सरकार अपनी गारंटियां पूरी करने में असमर्थ रहेगी। उन्हें लगता है कि 10 गारंटियों को सरकार कैसे पूरा करेगी? सरकारी कोष में इतने पैसे हैं ही नहीं, न ही हिमाचल की आर्थिक स्थिति कभी इतनी मज़बूत रही कि हिमाचल पूरी तरह से स्वावलम्बी हो सके। हिमाचल पूरी तरह से केंद्र की दया पर निर्भर करता है। वहां सरकार किसी की भी हो, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल का पूरी तरह से साथ दिया है। हिमाचल से उनका ख़ास रिश्ता है। और उन्होंने यह भी कहा है कि देश की सरकार हिमाचल में चल रही अधिकतर योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देगी। हिमाचल में कांग्रेस की सरकार के पास पांच साल का समय है अपनी दस गारंटियों को पूरा करने के लिए। यह बात अलग है कि हर चीज को टालमटोल कर, लंबा खींच कर, जनता को यह समझाने की कोशिश की जाएगी कि हमारे पास पैसे नहीं हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू जिन्होंने कांग्रेस के अधिवेशन में, रायपुर में बहुत बढ़ चढ़ कर बातें की, उन्हें जनता से किए अपने वादे पूरे करने में कठिनाई आ रही है। उन्होंने यह इलज़ाम लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सरकार उन पर 1000 करोड़ का अतिरिक्त कर्ज छोड़ गयी है। हिमाचल प्रदेश में 14 मार्च से बजट सत्र शुरू होगा। प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर अपने सहयोगियों के साथ सरकार की नीतियों और निर्णयों, जिनमें 900 संस्थाओं को बंद करने का आरोप है, पर सरकार को आड़े हाथों लेने की फिराक में हैं। बजट सत्र में हंगामा होगा। भारतीय जनता पार्टी का जन आक्रोश पूरे प्रदेश में फैलेगा, भले ही उसमें भाग लेने वालों की संख्या कम ही हो। नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर को मौजूदा सरकार की जनहित नीतियों और फैसलों का स्वागत भी करना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

## 22 साल बाद इन्फोसिस का साथ छोड़ टेक महिंद्रा को हुए मोहित जोशी

इन्फोसिस के प्रेसिडेंट मोहित जोशी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 22 सालों के साथ के बाद उन्होंने इंफोसिस को छोड़ने का फैसला किया। इंफोसिस में अपनी पारी को विराम देने के बाद अब वो टेक महिंद्रा के साथ अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगे। इसकी जानकारी शेयर बाजार को दे दी गई है।

**नई दिल्ली:** टेक कंपनी इन्फोसिस (Infosys) के प्रेसिडेंट मोहित जोशी (Mohit Joshi) ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 22 सालों तक वो इन्फोसिस के साथ जुड़ रहे। साल 2000 में वो इन्फोसिस से जुड़े थे। उन्होंने कंपनी के फाइनेंशियल सर्विसेज, हेल्थ केयर और लाइफ साइंसेस बिजनस सेगमेंट की अहम जिम्मेदारी संभाली। आईटी कंपनी में लंबे समय तक पदभार संभालने के बाद मोहित जोशी टेक महिंद्रा के साथ जुड़ने जा रहे हैं। मोहित जोशी को टेक महिंद्रा का एमडी और सीईओ नियुक्त किया गया है। 22 सालों बाद इन्फोसिस को अलविदा कहने के बाद अब मोहित अपनी नई जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। 1 मार्च 2023 से ही मोहित छुट्टी पर चल रहे हैं। 9 जून 2023 को इंफोसिस बोर्ड में उनका आखिरी दिन होगा।

**टेक महिंद्रा के साथ नई पारी**

टेक महिंद्रा की ओर से शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी गई है। महिंद्रा ने एक्सचेंज को सूचित किया है कि मोहित जोशी 20 दिसंबर 2023 से टेक महिंद्रा कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के तौर पर शामिल होंगे। उनकी नियुक्ति 5 सालों के लिए की गई है। टेक महिंद्रा में उनकी नियुक्ति 20 दिसंबर 2023 से 19 दिसंबर 2028 तक के लिए की गई है। वो यहां सीपी गुरनानी की जगह लेंगे। टेक महिंद्रा के साथ अपनी नई पारी की शुरुआत करने वाले मोहित जोशी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से MBA की डिग्री हासिल की है। इंफोसिस से पहले उन्होंने ANZ Grindlays और ABN AMRO जैसे कॉरपोरेट और इंवेस्टमेंट बैंक के साथ काम किया है। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से बैचलर डिग्री हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने हावर्ड कैंडी स्कूल से ग्लोबल लीडरशिप एंड पब्लिक पॉलिसी प्रोग्राम किया है।

## अमेरिका के सिलिकॉन वैली बैंक पर लगा ताला, क्यों भारत की बढ़ी चिंता

अमेरिका के बड़े बैंक पर ताला लगने से ना केवल अमेरिका की टेंशन बढ़ी है, बल्कि भारत की भी मुश्किल बढ़ी है। भारत के शेयर बाजार पर इसका असर शुक्रवार को ही देखने को मिला । वहीं भारतीय निवेशकों की भी चिंताएं बढ़ गई है। मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

**नई दिल्ली:** अमेरिका का एक और बड़ा बैंक दिवालिया हो गया है। अमेरिकी रेगुलेटर्स ने देश के बड़े बैंकों में शुमार सिलिकॉन वैली बैंक (Silicon valley Bank) को बंद करने का निर्देश दिया हैं। बैंक की वित्तीय हालात को देखते हुए कैलिफोर्निया के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन एंड इनोवेशल की ओर से ये आदेश जारी किया गया है। सिलिकॉल वैली बैंक अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक है। बैंक के पास 210 अरब डॉलर की संपत्ति है। लेकिन पिछले कुछ समय में बैंक की वित्तीय हालात ऐसी हो गई कि रेगुलेटर्स को इसे बंद करने का आदेश देना पड़ा है। अमेरिका के बैंक पर लगा ताला केवल अमेरिका को प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि दुनियाभर के देश इसकी चपेट में आने वाले है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। इसकी झलक शुक्रवार को शेयर बाजार पर देखने को मिल गई। भारतीय निवेशकों की भी चिंताएं बढ़ गई है।

# विजयनगर के सिक्के और हम्पी स्मारकों सी डिजाइन... रिडेलवप हुआ होसपेटे रेलवे स्टेशन

एनटीवी न्यूज

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री मोदी रविवार को कर्नाटक का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी अपने इस दौरे में 16 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम रविवार को बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे को देश को समर्पित करने वाले हैं। 118 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट को करीब 8,480 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इस एक्सप्रेसवे से बेंगलुरु और मैसूरु के बीच यात्रा का समय करीब तीन घंटे से घटकर 75 मिनट रह जाएगा। इसके अलावा पीएम मोदी पुनर्विकसित किये गए होसपेट रेलवे स्टेशन (Hosapete Railway Station) को देश को समर्पित करेंगे। यह कर्नाटक के विजयनगर जिले में स्थित है।

अपने कर्नाटक दौरे में पीएम मोदी रविवार को पुनर्विकसित होसपेट रेलवे स्टेशन को देश को समर्पित करेंगे। इससे यात्रियों की सुविधा बढ़ जाएगी और उन्हें आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। यह एक जंक्शन रेलवे स्टेशन है, जो होसपेट शहर में है। यह शहर कर्नाटक के विजयनगर जिले में स्थित है।

**हम्पी स्मारकों की तर्ज पर है डिजाइन**

होसपेट रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित किया गया है। इस स्टेशन का डिजाइन हम्पी स्मारकों की तर्ज पर तैयार किया गया है। भारतीय रेलवे देश में कई सारे रेलवे स्टेशनों का लुक बदल रही है। पुनर्विकसित होने के बाद ये रेलवे स्टेशंस किसी बड़े मॉल या एयरपोर्ट की तरह नजर आएंगे। पुनर्विकसित होने वाले बड़े रेलवे स्टेशनों में नई दिल्ली, अहमदाबाद और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मुंबई भी शामिल है।

**यात्रियों को मिलेंगी खास सुविधाएं**

पुनर्विकसित हो रहे रेलवे स्टेशनों में यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी। इससे उनका यात्रा का अनुभव काफी अच्छा हो जाएगा। पुनर्विकिसत हो रहे इन रेलवे स्टेशनों पर 'रूफ प्लाजा' बनाया जा रहा है। यहां फूड कोर्ट, छोटे बच्चों के खेलने के लिए छोटी सी जगह, स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिये स्थान आदि होंगे। यहां सफाई पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा दिव्यांगों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

**हम्पी स्मारकों का इतिहास**

होसपेटे रेलवे स्टेशन विजयनगर जिले में स्थित है। हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। यह अब केवल खंडहरों के रूप में ही है। इसे देखने पर पता चलता है कि कभी यहां एक समृद्धशाली सभ्यता थी। यह नगर यूनेस्को के विश्व के विरासत स्थलों में शामिल है। हर साल यहां हजारों पर्यटक आते हैं। यहां 500 से अधिक समारक चिन्ह हैं।

# 2008 के बाद US में सबसे बड़ा बैंकिंग संकट, क्या ताश के पत्तों सा बिखर जाएगा हमारा शेयर बाजार?

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 671 और निफ्टी 176 अंक गिरकर बंद हुआ था। वहीं, बैंक निफ्टी 771 अंक टूटकर बंद हुआ था। सिलिकॉन वैली बैंक का संकट सामने आने के बाद अमेरिकी बाजार के प्रमुख सूचकांक 2 फीसदी तक लुढ़क गए।

**नई दिल्ली :** अडानी संकट (Adani Crisis) अभी कुछ कम ही हुआ था कि एक नया संकट आ गया है। यह इतना बड़ा और खतरनाक है कि साल 2008 के ग्लोबल इकनॉमिक क्राइसिस की याद दिला रहा है। शुक्रवार को एक खबर से दुनियाभर के निवेशकों की सांसें थम गईं। खबर आई कि अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से एक सिलिकॉन वैली बैंक Silicon Valley Bank (SVB) को आर्थिक संकट के चलते बंद कर दिया गया है। इस खबर के आते ही अमेरिकी शेयर बाजार (US Stock Market) लड़खड़ाकर गिर गए। अमेरिकी बाजारों के टूटने का मतलब है कि आंच दुनियाभर के शेयर बाजारों तक जाएगी। अब निवेशकों को डर है कि सोमवार को भारतीय बाजार में भी बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है।

**शेयर बाजार टूटे**

सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया (Silicon Valley bank bankruptcies) होने की खबर ने तीनों प्रमुख वॉल स्ट्रीट सूचकांकों को तोड़ कर रख दिया। शुक्रवार रात के कारोबार में एसएंडपी 500, डाउ जोन्स और नैस्डैक 2 फीसदी तक टूट गया। शुक्रवार के सत्र में भारतीय बैंकिंग शेयरों में बड़ी गिरावट की शुरुआत हो चुकी थी। हफ्ते के आखिर कारोबारी दिन निफ्टी बैंक सूचकांक 1.87 फीसदी या 771 अंक गिर गया था।

**भारतीय बाजार के लिए सेंटिमेंटल न्यूज**

स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिलिकॉन वैली बैंक के दिवालिया होने की खबर दलाल स्ट्रीट के लिए एक पूरी तरह से सेंटिमेंटल न्यूज है। इसलिए इस खबर का असर अधिक समय तक देखने को नहीं मिलेगा। फंडामेंटल नजरिये से देखें, भारतीय बैक सिलिकॉन वैली बैंक से पूरी तरह अलग-थलग हैं। साथ ही हालिया तिमाही परिणामों में भारतीय बैंकों का मार्जिन भी बढ़ा है।

**ब्याज दर ज्यादा होने से बैंकों को फायदा**

एक्सपर्ट्स ने ट्रेडर्स को इस गिरावट में गुणवत्ता वाले बैंकिंग शेयरों को खरीदने की सलाह दी है, क्योंकि ये बैंकिंग शेयर ट्रेंड रिवर्सल के समय जोरदार रिटर्न देंगे। हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि उच्च ब्याज दर व्यवस्था के कारण बैंकों के मार्जिन में सुधार आया। लेकिन उच्च ब्याज दरें बैंकों के लिए शॉर्ट टर्म में ही अच्छी है। अगर यह ब्याज दर व्यस्था ज्यादा समय तक रहती है, तो यह उच्च कर्ज के कारण बैंकों के बिजनस को प्रभावित करेगी। यूएस के बैंक इन दिनों इसी समस्या से जूझ रहे हैं।

**भारतीय बैंकों का एसवीबी से कोई जुड़ाव नहीं**

प्रोफिटमार्ट सिक्युरिटीज में हेड ऑफ रिसर्च अविनाश गोरक्षकर ने कहा, 'फंडामेंटल नजरिए से भारतीय बैंकों का सिलिकॉन वैली बैंक संकट से कोई जुड़ाव नहीं है। ना ही इस अमेरिकी बैंक की भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर में कोई पैठ है। इसलिए शुक्रवार को भारतीय स्टॉक मार्केट में आई बड़ी गिरावट सेंटिमेंटल थी, क्योंकि दलाल स्ट्रीट पर पूर्वाग्रह पहले से ही नेगेटिव था।'

**लंबी अवधि के निवेशक रहें सतर्क**

हालांकि गोरक्षकर ने कहा कि उच्च ब्याज दर व्यवस्था भारतीय बैंकों के पक्ष में थी, जिससे तीसरी तिमाही में बैंकों के अच्छे आंकड़े सामने आए। लेकिन यह लंबे समय तक काम नहीं करेगा। इसलिए लंबी अवधि के निवेशकों को आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के आगामी फैसलों पर नजर बनाकर रखनी चाहिए। क्योंकि आगे कोई भी ब्याज दर वृद्धि भारतीय बैंकों के बिजनस को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉरपोरेट का एक हिसस्सा इस एसवीबी संकट की तुलना लेहमन ब्रदर्स के पतन के साथ शुरू हुए सबप्राइम लोन क्राइसिस से कर रहे हैं। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च अनुज गुप्ता ने कहा, 'भारतीय बैंक अच्छी वित्तीय स्थिति में हैं, क्योंकि खुदरा और कॉरपोरेट दोनों मोर्चे पर मांग अधिक है।'

**खरीद सकते हैं ये शेयर**

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के विशेषज्ञों ने निवेशकों को आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), बैंक ऑफ बड़ौदा और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक जैसे फंडामेंटल बैंकिंग स्टॉक खरीदने की सलाह दी है।

## वृद्धि की रफ्तार 12 साल के उच्च स्तर पर, अनुकूल मांग और नए कारोबारी सौदों से मिला समर्थन

**नई दिल्ली।** एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में संयुक्त निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा कि सेवा क्षेत्र ने जनवरी में खोई अपनी वृद्धि की रफ्तार को फिर से हासिल कर लिया है। अनुकूल मांग और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के दम पर उत्पादन में 12 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। देश की सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी, 2023 में 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मांग के लिए अनुकूल हालात और नए कारोबारी सौदों से सेवा क्षेत्र में बढ़त रही। इससे एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी में बढ़कर 59.4 पर पहुंच गया। जनवरी में यह 57.2 रहा था। सेवा खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) लगातार 19वें महीने 50 से ऊपर रहा है। पीएमआई का 50 से अधिक रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा संकुचन दिखाता है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में संयुक्त निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र ने जनवरी में खोई अपनी वृद्धि की रफ्तार को फिर से हासिल कर लिया है। अनुकूल मांग और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के दम पर उत्पादन में 12 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई को सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के बीच किए गए सर्वे के आधार पर तैयार किया जाता है।

लागत के दबाव में कमी: लीमा ने कहा, फरवरी में इनपुट लागत बढ़ने की रफ्तार ढाई साल में सबसे कम रहीं। आउटपुट लागत (महंगाई) भी 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई। नौकरियों में मामूली बढ़त: सेवा प्रदाताओं के नए ऑर्डर फरवरी में और बढ़ गए। सेवा क्षेत्र की कई कंपनियों का कहना है कि प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से बिक्री में तेजी आई। हालांकि, नौकरियों में मामूली बढ़त देखने को मिली। मांग-प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताएं: सेवा क्षेत्र की कंपनियों में आशावाद सात महीने में सबसे कम रहा। मांग उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ी। कुछ कंपनियों ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताएं व्यक्त कीं।

# बिसलेरी में दिलचस्पी लेने लगीं जयंती चौहान, कभी 7000 करोड़ में बिकने वाली कंपनी ने IPL टीम के साथ की बड़ी डील

बिसलेरी ने IPL टीम के साथ बड़ी डील की है। पहले मुंबई इंडियन, फिर गुजरात और अब दिल्ली की आईपीएल टीम के साथ बिसलेरी ने बड़ी डील की है। बिसलेरी अब दिल्ली कैपिटल्स की भी प्यास बुझाएगी। बिसलेरी ने दिल्ली की टीम के साथ तीन सालों के लिए करार किया है।

**नई दिल्ली:** बोतलबंद पानी बनाने वाली कंपनी बिसलेरी (Bisleri) आईपीएल टीम (IPL 2023) के साथ ताबड़तोड़ डील कर रही है। कुछ महीने पहले इस कंपनी के बिकने की खबर आई थी। बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान (Ramesh Chauhan) ने कहा था कि उनके पास कोई उत्तराधिकारी नहीं है, जो उनके कारोबार को संभाल सके। उनकी एकलौती बेटी जयंती चौहान उनके कारोबार में दिलचस्पी नहीं ले रही हैं, जिसके कारण वो अपनी कंपनी को बेचना चाहते हैं। टाटा और बिसलेरी के बीच अंतिम दौर की बातचीत भी हुई, लेकिन बीते हफ्ते इस डील के कैंसिल होने की खबर आई। इस खबर के बाद एक बार फिर से लगने लगा कि जयंती चौहान बिसलेरी के कारोबार में दिलचस्पी ले रही हैं। आईपीएल टीम के साथ बिसलेरी की डील इसी का नतीजा है।

**जयंती चौहान की ताबड़तोड़ डील**

बिसलेरी इंटरनेशनल की वाइस चेयरपर्सन जयंती चौहान (Jayanti Chauhan) के नेतृत्व में कंपनी ने IPL टीम दिल्ली कैपिटल्स (Delhi Capitals) के साथ बड़ी डील की है। बिसलेरी अब दिल्ली कैपिटल्स की भी हाइड्रेशन पार्टनर बन गई है। ये डील तीन सालों के लिए हुई है। यानी अगले तीन सालों तक दिल्ली कैपिटल्स की हाइड्रेशन पार्टनर बिसलेरी होगी। इससे पहले उसने मुंबई इंडियंस (Mumbai Indians) और गुजरात टाइटंस (Gujrat Titans) के साथ भी साझेदारी की है। जयंती चौहान ने इस डील को लेकर खुशी जताई है।

गौरतलब है कि पिछले 50 साल पुरानी बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड बिवरेज सेक्टर की दिग्गज कंपनी बनी हुई है। ये देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली पैक्ड वाटर कंपनी है। बिसलेरी के 128 से ज्यादा ऑपरेशनल प्लांट है। कंपनी के पास मजबूत ड्रिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। 6000 से ज्यादा ड्रिस्ट्रीब्यूटर्स और 7500 से ज्यादा ड्रिस्ट्रीब्यूशन ट्रक के नेटवर्क से साथ भारत समेत दुनिया के कई देशों में इसका कारोबार फैला हुआ है।

# प्रधानमंत्री की वेबसाइट पर 'मां' सेक्शन लॉन्च हुआ

## मोदी बोले- स्मृतियां मेरे-आपके बीच अब नया पुल हैं

एनटीवी न्यूज

माइक्रोसाइट 'मां' मातृत्व की अटूट भावना को दर्शाती है। इसे प्रधानमंत्री की मां की स्मृति में श्रद्धांजलि के रूप में लॉन्च किया गया है। इस माइक्रोसाइट में प्रधानमंत्री मोदी की मां की दिनचर्या, देशवासियों के मन में उनकी यादें साथ ही हीराबा के निधन पर दुनियाभर के नेताओं के शोकसंदेशों को भी दिखाया गया है।

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑफिशियल वेबसाइट पर उनकी मां हीराबेन मोदी को अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि दी गई है। आज हीराबा को समर्पित एक माइक्रोसाइट 'मां' लॉन्च की गई है। इस माइक्रोसाइट में चार अलग-अलग सेक्शन बनाए गए हैं। इनमें हीराबा के जीवन से जुड़ी बातें, उनके फोटो-वीडियो और उनकी सीखों को शामिल किया गया है।

अधिकारियों ने इसके बारे में बताया कि माइक्रोसाइट 'मां' मातृत्व की अटूट भावना को दर्शाती है। इसे प्रधानमंत्री की मां की स्मृति में श्रद्धांजलि के रूप में लॉन्च किया गया है। इस माइक्रोसाइट में प्रधानमंत्री मोदी की मां की दिनचर्या, देशवासियों के मन में उनकी यादें साथ ही हीराबा के निधन पर दुनियाभर के नेताओं के शोकसंदेशों को भी दिखाया गया है। गौरतलब है कि बीते साल 30 दिसंबर को हीराबा का निधन हो गया था।

इस माइक्रोसाइट की शुरुआत में एक वीडियो है, जिसमें पीएम मोदी की अपनी मां के लिए भावनाओं और बातों को बड़े खूबसूरत अंदाज में पेश किया गया है। साथ ही इसमें पीएम मोदी के बचपन से लेकर उनकी मां के निधन तक के समय को कहानी की तर्ज पर पेश किया गया है। इसमें प्रधान मंत्री मोदी के विशेष ब्लॉग को भी शामिल किया गया है, जिसे उन्होंने अपनी मां के लिए उस समय लिखा था, जब वह अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रही थीं। हिंदी में लिखे गए ब्लॉग का एक ऑडियो संस्करण भी है।

इस ऑडियो में कहा गया, 'पूज्य मां, आज आप नहीं रहीं, फिर भी आपके दिए संस्कार मेरे मनो-मस्तिष्क पर आपके दो हाथों की तरह फैले हैं, जो मुझे शक्ति, शिक्षा देते हैं। नमन करना, माथे पर तिलक लगाना, मिठाई खिलाना, हाथ थामना, दीया जलाना, चरणस्पर्श करके मेरी अंगुलियों के छोर से आपकी ऊर्जा का मेरी नस-नस तक पहुंचना, ये चंद स्मृतियां मेरे और आपके बीच का अब नया पुल हैं मां। तुमसे मिलने का ये नया सेतु है मां, अब इसी पर टहला करूंगा। जब कभी जीवन में संघर्ष या हर्ष मिले, आगे कहीं भी रहूंगा, आपकी कमी हमेशा रहेगी।'

> "
> ऑडियो में कहा गया, 'पूज्य मां, आज आप नहीं रहीं, फिर भी आपके दिए संस्कार मेरे मनो-मस्तिष्क पर आपके दो हाथों की तरह फैले हैं, जो मुझे शक्ति, शिक्षा देते हैं। नमन करना, माथे पर तिलक लगाना, मिठाई खिलाना, हाथ थामना, दीया जलाना, चरणस्पर्श करके मेरी अंगुलियों के छोर से आपकी ऊर्जा का मेरी नस-नस तक पहुंचना, ये चंद स्मृतियां मेरे और आपके बीच का अब नया पुल हैं मां।

**बनाए गए हैं चार सेक्शन**

इसमें चार सेक्शन बनाए गए हैं। जिन्हें लाइफ इन पब्लिक डोमेन, नेशन रिमेंबर्स, वर्ल्ड लीडर्स कंडोल और आखिरी सेक्शन 'सेलिब्रेटिंग मदरहुड' का नाम दिया गया है। पहले सेक्शन में हीराबा के सार्वजनिक जीवन से जुड़े फोटो-वीडियो को रखा गया है। वहीं, दूसरे में हीराबा के निधन की टेलीविजन कवरेज, प्रिंट और डिजिटल कवरेज, और शोक संदेशों को शामिल किया गया है। वहीं, वर्ल्ड लीडर्स कंडोल वाले सेक्शन में दुनिया भर के नेताओं के शोक संदेशों को रखा गया है। वहीं आखिरी सेक्शन सेलिब्रेटिंग मदरहुड' को व्यक्तिगत ई-कार्ड बनाने और भेजने के लिए समर्पित किया गया है। इसमें पीएम मोदी और उनकी मां के चार टेम्पलेट हैं। लोग इनमें से कोई एक तस्वीर चुनकर उसमें अपना संदेश लिखकर उसे शेयर कर सकते हैं।

माइक्रोसाइट पीएम मोदी की आधिकारिक वेबसाइट https://www.narendramodi.in/ के साथ-साथ उनके निजी ऐप नरेंद्र मोदी ऐप पर भी दिखाई देती है।

**ब्रीफ न्यूज**

### ढील देने पर भी नहीं भरा केंद्र में आईपीएस का कोटा, 100 के नीचे पहुंची DIG की रिक्तियां

**नई दिल्ली।** केंद्र में आईपीएस डीआईजी के लिए जितने पद स्वीकृत हैं, उनमें से खाली पदों की संख्या पहली बार सौ के नीचे पहुंची है। तीन मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न केंद्रीय सुरक्षा बलों, आयोगों और जांच एवं खुफिया एजेंसियों में डीआईजी 'आईपीएस' के लिए 255 पद स्वीकृत हैं...

पिछले कई वर्षों से केंद्र में बतौर प्रतिनियुक्ति आने वाले 'आईपीएस' अफसरों का तय कोटा भर नहीं पा रहा है। आईपीएस डीजी, एसडीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी के जितने पद स्वीकृत किए गए हैं, उसमें से लगभग पचास फीसदी पद खाली पड़े रहते थे। खासतौर पर आईपीएस डीआईजी और एसपी के पदों का तो बुरा हाल था। केंद्र सरकार ने गत वर्ष प्रतिनियुक्ति के नियम कुछ आसान बनाए थे, तो वहीं अफसरों को चेताया भी था। उसका थोड़ा-बहुत असर अब देखने को मिला है। केंद्र में आईपीएस डीआईजी के लिए जितने पद स्वीकृत हैं, उनमें से खाली पदों की संख्या पहली बार सौ के नीचे पहुंची है। तीन मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न केंद्रीय सुरक्षा बलों, आयोगों और जांच एवं खुफिया एजेंसियों में डीआईजी 'आईपीएस' के लिए 255 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 77 पद खाली हैं। इससे पहले खाली पदों की यह संख्या 120 से 186 के बीच रही है।

**गत वर्ष समाप्त कर दी गई थी पैनल प्रक्रिया**

लंबे समय से विशेषकर आईपीएस डीआईजी, केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर आने का मन नहीं बना पा रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक कमेटी ने सुझाव दिया था कि इन अधिकारियों के लिए पैनल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए। इसके पूरा होने में काफी समय लगता है। सरकार के इस कदम का मकसद, केंद्र में डीआईजी-रैंक के अधिकारियों की भारी कमी को दूर करना था। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के पास यह प्रस्ताव कई बार भेजा गया था। गत वर्ष 10 फरवरी को इसे कमेटी की मंजूरी मिल गई थी। सरकार का मानना है कि डीआईजी-रैंक के अधिकारियों के लिए पैनल सिस्टम को खत्म करने से अब प्रतिनियुक्ति पर अधिक आईपीएस केंद्र में आ सकेंगे। मनोनयन प्रक्रिया पूरी होने में करीब एक साल लग जाता था। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह भी कहा था कि जो भी आईपीएस एसपी या डीआईजी, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं आएंगे, उन्हें बाकी सेवा के दौरान केंद्रीय नियुक्ति से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इससे पहले केंद्र ने 'अखिल भारतीय सेवा' नियमों में संशोधन भी किया था। उसमें कहा गया था कि केंद्र सरकार, आईएएस व आईपीएस अधिकारी को राज्य की अनुमति या बिना अनुमति के भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर बुला सकती है।

# चीन ने अरब देशों को नहीं दिया कभी 'ज्ञान' बन गया रियाद-तेहरान दोस्ती का 'गॉडफादर'

एनटीवी संवाददाता

सऊदी अरब और ईरान आने वाले दो महीनों में अपने दूतावास दोबारा खोल सकते हैं। साल 2016 में एक विवाद के बाद दोनों ने राजनयिक संबंध खत्म कर दिए थे। दोनों वैचारिक और सैन्य रूप से लंबे समय से एक-दूसरे के खिलाफ रहे हैं।

**तेहरान/रियाद/बीजिंग :** सऊदी अरब और ईरान ने शुक्रवार को बीजिंग में हाथ मिलाया। यह मिडिल-ईस्ट और चीन दोनों के लिए एक 'गेम-चेंजिंग' पल था। दुनिया के सबसे बड़े शिया और सुन्नी मुल्क अपनी दशकों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को भुलाकर एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं। अरब जगत की दोनों महाशक्तियां अपने राजनयिक संबंध दोबारा स्थापित करने के लिए करीब दो साल से बातचीत कर रही हैं। ऐसे में शुक्रवार की घोषणा आश्चर्यजनक लेकिन अपेक्षित थी। यह दोस्ती अमेरिका के लिए चिंताजनक हो सकती है क्योंकि ईरान के साथ उसके संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण हैं। पिछले साल बाइडन के दौरे के बाद रियाद और वॉशिंगटन के रिश्तों में भी खटास आ गई थी।

सबसे बड़ी बात यह कि इस मुलाकात की मेजबानी अमेरिका के 'सबसे बड़े दुश्मन' चीन ने की थी जो तेल-संपन्न क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। सऊदी अरब के साथ ईरान की बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब 2016 के परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय गठबंधनों में अब बदलाव देखने को मिल रहा है। सऊदी अरब के अमेरिका के साथ संबंध हाल के वर्षों में काफी तनावपूर्ण हो गए हैं, जबकि क्षेत्र में चीन का दखल बढ़ गया है।

**मानवाधिकार के बजाय बिजनस पर चीन का फोकस**

वॉशिंगटन के विपरीत बीजिंग ने मिडिल ईस्ट में फैली कई प्रतिद्वंद्विताओं को खत्म करके दिखाया है। चीन ने अरब जगत को मानवाधिकारों पर पश्चिम की तरह 'ज्ञान' दिए बिना आर्थिक संबंधों को मजबूत करके पूरे क्षेत्र के देशों के साथ अच्छे राजनयिक संबंध स्थापित किए हैं। चीन कई साल से संघर्षों से जूझ रहे मिडिल-ईस्ट की नई कूटनीतिक सफलताओं की मेजबानी कर रहा है। साथ ही साथ वह अमेरिका के क्षेत्रीय वर्चस्व को भी कम करता जा रहा है।

**रियाद-तेहरान की दोस्ती का 'गॉडफादर' चीन**

पिछले शुक्रवार के समझौते से मिडिल-ईस्ट में खून से सने एक युग का अंत हो सकता है। रियाद और तेहरान लंबे समय से एक-दूसरे के वैचारिक और सैन्य विरोधी रहे हैं। यमन में ईरान जहां हूती विद्रोहियों का साथ देता है तो वहीं सऊदी अरब सरकार के साथ मिलकर उनके खिलाफ लड़ रहा है। लेकिन इस समय सबसे बड़ी भूमिका में चीन है। सऊदी नेतृत्व की सोच से परिचित सऊदी विश्लेषक अली शिहाबी ने सीएनएन को बताया, 'चीन अब इस समझौते का गॉडफादर है।' उन्होंने कहा कि अगर ईरान इस समझौते को तोड़ता है, तो वह चीन के साथ अपने संबंधों को नुकसान पहुंचाएगा, जिसने अपनी पूरी प्रतिष्ठा 'त्रिपक्षीय' समझौते में झोंक दी है।

### नेवी चीफ बोले- भारत हर देश की समृद्धि चाहता है, रायसीना डायलॉग में यूक्रेन युद्ध पर ये कहा

**नई दिल्ली।** नेवी चीफ ने कहा मैरीटाइम डोमेन में हम सहकारिता के भाव से साथ मिलकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम छोटे समूहों में काम करते हैं तो उससे उद्देश्य की पूर्ति होती है। इससे सहयोगी देशों के बीच विश्वास भी बढ़ता है। नेवी के चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा है कि जब भी कोई तकनीक आती है तो उसे काउंटर भी या जाता है। उन्होंने कहा कि हमने यूक्रेन की लड़ाई के दौरान देखा कि युद्ध में जब भी नई तकनीक आई, उसका जवाब भी दिया गया। उन्होंने कहा कि मैरीटाइम डोमेन में चुनौतियां परंपरागत या गैरपरंपरागत नहीं होतीं। कोई भी परेशानी सबके लिए परेशानी ही होती है। नेवी चीफ ने कहा मैरीटाइम डोमेन में हम सहकारिता के भाव से साथ मिलकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम छोटे समूहों में काम करते हैं तो उससे उद्देश्य की पूर्ति होती है। इससे सहयोगी देशों के बीच विश्वास भी बढ़ता है। नेवी चीफ ने कहा है कि भारत ऐसा देश है तो क्षेत्र के सभी देशों की समृद्धि को बढ़ावा देना चाहता है। नेवी चीफ एडमिरल आर हरि कुमार शनिवार को रायसीना डायलॉग 2023 को संबोधित कर रहे थे।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि हिंद महासागर में 2008 से चीन की मौजूदगी है। उनके पास 2008 से आज तक एक एंटी-पायरेसी फोर्स है। चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाएं और चीनी मछली पकड़ने वाले जहाज भी वहां हैं और वे शांति से काम करते हैं। हम उनके काम पर निगरानी रखते हैं।

**ग्लोबल नॉर्थ और साउथ के बीच पुल का काम करता है भारत: मीनाक्षी लेखी**

रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने बहुपक्षवाद की वकालत की। उन्होंने कहा, भारत बहुपक्षवाद में सुधार की दिशा में काम करेगा। सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के हित में संघर्षों को हल करने और उन्हें होने न देने की यह बेहतर पद्धति है। उन्होंने कहा, ₹भारत ने बेजुबानों की आवाज बनने का जिम्मा अपने ऊपर ले लिया है और बहुपक्षवाद में सुधार को आगे बढ़ना है क्योंकि अपने मौजूदा स्वरूप में यह प्रमुख मुद्दों को हल करने में विफल रहा है। लेखी ने आगे कहा, दुनिया को ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ में बांटा गया है, लेकिन भारत की स्थिति आमतौर पर दोनों के बीच एक पुल के रूप में काम करने की रही है। एकात्म मानववाद भारत के मूल्यों का केंद्र है। दुनिया के किसी भी हिस्से में जब भी कोई संघर्ष छिड़ता है, तो वह दूर दूर तक किसी व्यक्ति को प्रभावित करता है।

# टीकाकरण से 41लाख और जिंदगियां कैसे बचाई जाएँ

एनटीवी संवाददाता

**नई दिल्ली।** वैक्सिनेशन या टीकाकरण किसी चमत्कार से कम नहीं। किसी और मेडिकल खोज की तुलना में इसने दुनिया में सबसे अधिक जिंदगियां बचाई हैं। इसने समूची आबादी के लिहाज से ऐसी बीमारियों को नियंत्रित करने का हथियार दिया, जिनसे दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही थी। फिर भी हम भूल जाते हैं कि इंसानी जिंदगी को वैक्सिनेशन ने कितने बुनियादी स्तर पर बदला है।

पिछली सदी के अंत में अमेरिका में संक्रामक बीमारियों से एक तिहाई लोगों की जान जा रही थी। अगर आज के हिसाब से तुलना करें तो जितने लोगों की जान कैंसर और दिल की बीमारी ले रही है, उससे अधिक लोग तब संक्रामक बीमारियों से मर रहे थे। आज वैक्सीन ने डिप्थेरिया, टायफाइड, मीजल्स जैसे रोगों को करीब-करीब खत्म कर दिया है। वहीं, 20वीं सदी में हर साल ये रोग लाखों लोगों को बीमार बना रहे थे। ऐसे रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या में 98 फीसदी की कमी आ चुकी है। दुनिया के गरीब देशों को देखें तो यह कामयाबी और भी बड़ी लगेगी। हजारों वर्षों से स्मॉलपॉक्स बड़ी संख्या में इंसानों की जान लेता आया था, लेकिन 1977 में एक वैक्सीन की मदद से हमने इस पर काबू पा लिया। 20वीं सदी में स्मॉलपॉक्स की वजह से करीब 30 करोड़ लोगों की जान गई। अगर इसकी वैक्सीन न बनी होती तो यह रोग हर साल 5 करोड़ लोगों की जान लेता रहता।

साल 2000 में आए एक अनुमान के मुताबिक, वैक्सीन से दुनिया में हर साल 1.16 करोड़ लोगों की जान बच रही है। तब से यह संख्या बढ़ी ही है। स्मॉलपॉक्स को छोड़ दें तो भी आज दुनिया भर में टीकाकरण से हर साल 38 लाख लोगों की जान बचाई जा रही है। अफसोस कि इस फायदे के बावजूद गरीब देशों में हर साल करोड़ों की संख्या में बच्चों का टीकाकरण नहीं हो पा रहा। कोविड-19 महामारी के दस्तक देने के बाद यह संकट और बढ़ा है। महामारी के कारण साल 2021 में करीब 2.5 करोड़ बच्चों को जीवनरक्षक टीके नहीं लगाए जा सके। यह पिछले 12 वर्षों में सबसे बड़ी संख्या है। दरअसल, मंदी, महंगाई और कई दूसरी वैश्विक चुनौतियों के कारण वैक्सिनेशन से दुनिया का ध्यान हट गया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने 2015 में वादा किया था कि 2030 तक शिशु मृत्यु दर में भारी कमी लाई जाएगी। यह लक्ष्य सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (SDGs) के तहत तय किया गया था। लेकिन यह तभी हासिल हो पाएगा, जब हम वैक्सीन से जितनी जानें बचा सकते हैं, उतनी बचाएं। बदकिस्मती से SDGs में 169 लक्ष्य तय किए गए हैं, जो काफी ज्यादा हैं। बेशक, डिवेलपमेंट गोल्स में टीकाकरण बढ़ाने, शिशु मृत्यु दर को खत्म करने जैसे जरूरी लक्ष्यों को भी शामिल किया गया है, लेकिन इन्हें रीसाइक्लिंग बढ़ाने और कुदरत के साथ तालमेल बनाने वाली जीवनशैली के बराबर प्राथमिकता दी गई है, जो ठीक नहीं है। असल में, SDGs में कहीं अधिक लक्ष्य तय करने से हम इनमें से किसी लक्ष्य को हासिल करते नहीं दिख रहे।

इसलिए हमें जरूरी लक्ष्यों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। अमेरिका की जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और इंटरनैशनल एक्सेस सेंटर (IVAC) ने टीकाकरण बढ़ाने के फायदों और उसके खर्च का अनुमान लगाया है। इसके मुताबिक, अभी इस पर जितना पैसा खर्च किया जा रहा है, अगर वही रफ्तार बनी रही तो 2030 तक 38 लाख लोगों की जान बचाई जा सकेगी। लेकिन अगर इसके दायरे में थोड़ी भी बढ़ोतरी हो तो नतीजे कहीं बेहतर हो सकते हैं। इससे 2023 से 2030 के बीच हम और 41 लाख जानें बचा सकते हैं। यह बात सही है कि इससे खर्च भी बढ़ेगा। इसके लिए दूरदराज के इलाकों में वैक्सिनेशन कैंपेन चलाने होंगे। उन परिवारों तक पहुंचना होगा, जो अभी इसके दायरे से बाहर हैं। लेकिन इस चुनौती से निपटने का रास्ता भारत दिखा सकता है। भारत में वैक्सिनेशन कैंपों के साथ फूड इंसेंटिव भी दिए जाते हैं ताकि टीकाकरण के दायरे में अधिक लोग आ सकें। यह प्रयोग कामयाब रहा है।

भारत का तजुर्बा बताता है कि फूड इंसेंटिव देने से लागत में बहुत बढ़ोतरी नहीं होगी। इससे हर साल खर्च में 1.7 अरब डॉलर या 2030 तक 7.5 अरब डॉलर की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। इतना खर्च बढ़ाने पर अगर और 41 लाख जानें बचाई जा सकें तो इसे कमाल ही कहा जाएगा। वैक्सिनेशन के लिहाज से खासतौर पर विकासशील देशों के लिए भारत अच्छी मिसाल हो सकता है। यहां इंटेंसिफाइड मिशन इंद्रधनुष (IMI) के नाम से यह अभियान चलाया जा रहा है। 2015 से 2017 के बीच IMI से 190 कमजोर प्रदर्शन करने वाले जिलों में कंप्लीट वैक्सिनेशन में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। वहां यह आंकड़ा 50.5 फीसदी से बढ़कर 69 फीसदी हो गया। आज IMI 4.0 दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण प्रोग्राम है, जिससे हर साल 30 लाख गर्भवती महिलाओं और 26 लाख शिशुओं का टीकाकरण हो रहा है। इसके साथ कोविड-19 वैक्सिनेशन प्रोग्राम की चर्चा करना भी जरूरी है, जिसमें भारत में 2.2 अरब डोज महामारी से बचने के लिए लोगों को दी गई।

जान बचाने के साथ आर्थिक समृद्धि के लिहाज से भी टीकाकरण ताकतवर माध्यम है। वैक्सिनेशन से बच्चों के मानसिक विकास में मदद मिलती है। जब वे रोजगार लायक हो जाते हैं तो इसकी बदौलत उनके कामयाब होने की संभावना कहीं अधिक होती है। इसमें संदेह नहीं कि डिवेलपमेंट गोल्स में भी जो लक्ष्य रखे गए थे, उनमें से कुछ का दुनिया को जबरदस्त फायदा हुआ है। इसमें से वैक्सिनेशन का दायरा बढ़ाना भी शामिल है। इसलिए टीकाकरण पर खर्च बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल होना ही चाहिए।